

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 14]

नई बिल्ली, शनिवार, अप्रैल 8, 1978 (चैत्र 18, 1900)

No. 14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 8, 1978 (CHAITRA 18, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III--खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक मेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रणा० III(1)—हम कार्यालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 13-2-78 के श्रनुक्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-78 से 24-3-78 तक की श्रितिरक्षत श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेणों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(2)—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 20-1-1978 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्रीपी० एस० सबरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 19-2-1978 से 23-3-78 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रगामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रजा० III(3)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-1-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा श्रायोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायो सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 19-2-78 से 10-3-78 तक की अतिरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा ग्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रगा० III(4)—इस कार्यालय की यमसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 20-1-78 के प्रनुक्तम में, संघ लोक सेवा आंथोंग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ग्रार० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 19-2-78 से 28-2-78 तक को श्रितिरिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेया के श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (5)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिमूचना दिनांक 20-1-78 के अनुक्रम में, संघ लोक

सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 21-2-78 से 28-2-78 तक की श्रितिरिक्त अवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

## दिनांक 1 मार्च, 1978

संव ए० 32014/2/76-प्रशा० III—इस कार्यालय की सम-संख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 23 मार्च, 1977 के श्रनुक्रम में, केंद्रीय सचिवालय सेवा निवयमावली, 1962 के नियम 10 के उपवन्ध के श्रधीन संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड 'क') के स्थायी चयन ग्रेड ग्रधि-कारी श्री ए० गोपालाकुण्णन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-78 (पूर्वाह्म) से 14-11-78 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> प्रभात नाथ मुखर्जी श्रवर सचिव, (प्रणासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

## प्रवर्तन निदेशालय

# विदेशी मुद्रा विनियमन प्रधिनियम नई दिल्ली-1, दिनांक 8 मार्च 1978

फा० सं० ए-11/5/78—श्री डी० पी० बसु, निवारक स्रिधि-कारी, पेड I (सा० पे०), सीमा-शुल्क समाहर्ता कार्यालय, कलकत्ता को दिनांक 1-3-78 से श्रगले स्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन निदे-शालय के विशेष यूनिट कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति पर सीमा-शुल्क निरीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

> एस० डी० मनचन्दा निदेशक

## नई दिल्ली-1, दिनांक 3 मार्च 1978

फा० सं ०ए-II/4/78—श्री बी० एन० गांगुली, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को दिनांक 3-2-78 से अगल श्रादेशों तक के लिए इस निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है:

जे० एन० श्ररोड़ा उप निदेशक (प्रशासन) गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केंद्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० ए-19015/2/77-प्रणासन-5--श्री एच० एस० कश्यप, अनुभाग श्रीधकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय ने दिनांक 20-2-78 के पूर्वाह्न से अनुभाग श्रीधकारी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं दिनांक 20-2-78 के पूर्वाह्न से गृह मंद्रालय को वापस सींप दी गई।

#### दिनांक 20 मार्च 1978

सं० ए 19021/1/78-प्रशा०-5--राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से पश्चिम बंगाल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा-श्रधिकारी श्री एम० तुमसांगा को दिनांक 7 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक के लिय प्रतिनियुक्ति पर पुलिस श्रयीक्षक, कोंब्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> जरनैल सिंह, प्रणासन भ्रधिकारी (स्था०) केंद्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

महानिदेशालय, केंद्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 मार्च 1978

सं० भ्रो०-दो 1203/75-स्थापना—श्री बी० भ्रार० मैनन ने प्रतिनियुक्ति की श्रवधि समाप्ति पर उप-पुलिस अधीक्षक महा-निदेशालय, के० रि० पु० बल के पद का कार्य भार दिनांक 6-3-78 (भ्रपराह्म) को त्याग दिया।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ई-38013/3/17/76-कार्मिक-राष्ट्रपति, श्री के० ए० बेलिप्पा को स्थानापन रूप से, के० ग्री० सु० ब० यूनिट मद्रास पोर्टद्रस्ट का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने 15 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्म से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> रा० च० भोपाल महानिरीक्षक/के० भ्रौ० सु०ब०

भारत के महापंजीयक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० 25/39/73-म० प्र० (प्रणा०-I) —राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली में, श्री सी० जी० जाधव,

शोध श्रधिकारी (सामाजिक श्रध्ययन) को, इसी कार्यालय में श्रधि-कारी विशेष ड्यूटी (श्रनुसूचित जाति तथा श्रनुसूचित जन जाति) के पद पर तदर्थ तथा विलकुल श्रस्थायी तौर पर दिनांक 1 मार्च, 1978 पूर्वीह्न से 7 महीने के लिए श्रथवा श्रगले श्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री जाधव, गोध श्रिधिकारी (समाजिक श्रध्ययन) के पद से, जो उनके द्वारा इस कार्यालय में घारित था, उसी तारीख को कार्यभार मुक्त हो गये।

सं० 5/3/76-म०प० प्रशा०एक—-राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 14 श्रक्टूबर, 1977 की ग्रिधसूचना सं० 5/3/76-म०प० (प्रशा० 1) के श्रनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार और पदेन जनगणना श्रायुक्त के कार्यालय में श्रनुसंधान श्रिधकारी (मानचित्र) श्री श्रार० श्रीर० तिपाठी की उसी कार्यालय में मानचित्र श्रिधकारी के पद पर पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थं श्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि को 20 जनवरी, 1978 से 19 जुलाई. 1978 तक छः महीने की श्रवधि के लिए या श्रगले श्रादेशों तक, इनमें से जो भी समय कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 5/3/76-म० प० (प्रणा० एक) — राष्ट्रपति, इस कार्या-लय की तारीख 14 श्रक्टूबर, 1977 की श्रधिसूचना सं० 5/3/76-म०प० (प्रणा०1)के श्रनुकम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय श्रीर पदेन जनगणना श्रायुक्त के कार्यालय में मानचित्र श्रधिकारी डा० वी० के० रोय की इसी कार्यालय में सहायक महा-पंजीकार (मानचित्र) के पद पर पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि को तारीख 20 जनवरी, 1978 से तारीख 19 जुलाई, 1978 तक छः माह की श्रवधि के लिए या श्रगले श्रादेशों तक, इनमें जो भी समय कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 5/3/76-म० प० (प्रणा० एक)-राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 14 श्रक्टूबर, 1977 की अधिसूचना सं०5/3/76-म० प० (प्रणा० 1) के श्रनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय और पदेन जनगणना आयुक्त के कार्यालय में वरिष्ठ भूगोलवेत्ता सर्वश्री एस० ष्टी० त्यागी और महेण राम की इसी कार्यालय में श्रनुसंधान श्रधिकारी (मानचित्र) के पद पर पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति की अवधि को तारीख 20 जनवरी, 1978 से तारीख 19 जुलाई, 1978 तक छह माह की श्रवधि के लिए या अगले श्रादेशों तक, इनमें जो भी समय कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 11/10/76-प्रशा०- I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित प्रधिन कारियों की उनके नामों के सामने दिए गए जनगणना कार्य निदे-शालयों में, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति की प्रविध को 1 मार्च, 1978 से 30 प्रप्रैल, 1978 तक दो महीने की ग्रविध के लिए या जब तक ये पद नियमित श्राधार पर भरे जाएं इनमें से जो भी समय कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं:~

क्रम नाम	जनगणना		
स०	निदेशालय	मुख्यालय	पिछला संदर्भ सं०
1 2	3	4	5
सर्वेश्री	•		
1. ए०एस० डांगे	सिनिकम	गंगटोक	म० प० सं० 11/10/76—
			प्रशा०-1 तारीख 6-2-78
2. एम० थंगाराजू	तमिलनाडु श्रौर	गद्रास	11
•	पांडिचेरी		
3. एस० राजेंद्रन	गोवा, दमन ग्रौर	पणजी	7.7
	दीव		
4. जगदीश सिह	दिल्ली	दिल्ली	"
5. एस० एस० एस० जायसवाल	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	11
6. एस० के० श्रग्रवाल	हिमाचल प्रदेश	<b>गिमला</b>	17
7. पी० सी० शर्मा	पंजाब	चन्डीगढ़	म० प० सं० 11/10/76-
•••••			प्रमा०-1 तारीख 9-3-77

## दिनांक 18 मार्च 1978

सं० 6/4/74-म० प्र० (प्रशा० एक)—राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा (इंडियन इकोनौमिक सर्विस) के ग्रेड चार के अधिकारी और उसी सेवा में ग्रेड तीन में पदोन्नति के लिए अनुमोदित सूची में श्रीर इस समय नई दिल्ली में भारत के महापजीकार और जनगणना आयुक्त के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री मदन सिंह को तारीख 17 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश

तक इसी कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर वरिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रिधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> बद्री नाथ, भारत के उप-महापंजीकार श्रौर भारत सरकार के पदेन उप सचिव

#### श्रंम मंत्रालय

# (श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 6 अप्रैल 1978 सं॰ 23/3/78-सीं॰ पीं॰ आईं--जनवरी, 1978 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार 1960-100 जनवरी, 1978 के स्तर से पांच अंक घट कर 320 (तीन सौ बीस) रहा। फरवरी, 1978 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 389 (तीन सौ नवासी) आता है।

> क्षिभुवन सिंह, उप-निदेशक

वित्त मन्त्रालय

म्रार्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 15 मार्च 1978

फा०सं०बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी०एन०पी०/सी/23/77 दिनांक 27-12-77 के श्रनुकम में श्रीएम० एल० नारायण, उप-नियंत्रण श्रधिकारी के पद पर तदर्थ ब्राधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 7-3-78 (पूर्वाह्म) से 3 माह की श्रविध तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक

# महालेखाकार, श्रांध्र प्रदेश का कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० ई० बी० I/8-312/77-78/447-महालेखाकार, श्रांझ प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जी० तिरुमलें स्वामि को महालेखाकार श्रांझ प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन मान रु० 840-40-1000 ई-बी-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पट पर 14 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से जब तक अधि ग्रेशिका न दियं जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० ग्रार० मुखर्जी, प्रवर उप महालेखाकार (प्रणासन) सहायक महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय, महालेखाकार, उत्तर प्रदेश—-प्रथम इलाहाबाद इलाहाबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० प्रशासन I /11-144 (XIII)/383---महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित श्रनुमाग ग्रिधि-कारियों को उनके नामों के श्रागे ग्रंकित तिथि से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

- 1. विरेंद्र सिंह चौहान--2-3-78 पूर्वाह्न
- 2. काणी प्रसाद सिंह--28-2-78 पूर्वाह्म
- 3. कैलाश नारायण--28-2-78 पूर्वाह्म
- 4. गोविंद राम अरोरा--2-3-78 अपराह्म

उ० राम चन्द्र राव, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

# कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, पश्चिम बंगाल कलकत्ता-1, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० प्रमार्ग / 1038-XV / 4485--- महालेखाकार प्रथम, परिवन बंगाल ने श्री प्रदीप कुमार दासगुष्त स्थायी ग्रनुभाग श्रीधकारी को ग्रस्थायी श्रीर स्थानापक्ष लेखा अधिकारी के पढ पर दिनांक 14-3-1978 (पूर्वाह्म) या उनके द्वारा वास्तव में इस कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से ग्रन्य श्रादेश निकलने तक बहाली करने की कुपा की है।

श्री दासगुष्त जो वर्तमान में श्रार० ग्रार० ग्रीर ग्रार० डाइ-रेग्ट्रेड, पिवन बंगाल सरकार के ग्रधीनस्थ प्रतिनियुक्ति पर है ग्राने उस समनुदेशन से मुक्त हो कर इस कार्यालय के वरिष्ठ उप-महाले बाकार (टी० ए० डी०) के समक्ष उपस्थिति हों जिससे कि वे श्रोपी० बंद्योगाध्याय, जो कि छुट्टी पर जा रहें हैं की जगह पर कार्यभार ग्रहण कर सकें।

> पी० के० बन्द्योपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०) पश्चिम बंगाल

#### उद्योग मंत्रालय

अधिगिक विकास विभाग कार्यालय, विकास म्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली-110001 दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० 12/27/61-प्रशासन (राजपितत) — दिल्ली राज्य लघु उद्योग विकास निगम, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति से प्रत्याविति होने पर डा० एस० बी० श्रीवास्तव ने दिनांक 1-2-1978 (पूर्वाह्म) से कार्यालय, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (श्रीद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

# दिनांक 9 मार्च 1978

सं 12/(101)/61/प्रशासन (राजपतित)—स्थानापन्न नियुक्ति की अवधि पूर्ण करने पर श्री स्वराज्य प्रकाश ने दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली, में निदेशक (ग्रेड-1) (सामान्य प्रशासन प्रमाग) का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्म) से ही कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-11) (श्राई० ई० एस०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु, उपनिदेशक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन ग्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 16मार्च, 1978

सं० प्र०-I/I(1055)— -श्रीपी० के० वसु, श्रधीक्षक (श्रधीक्षण) स्तर और पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) दिनांक 31 जनवरी, 1978 के श्रपराह्म से निवृत्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

यह पूर्ति तथा निष्टान महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या प्र० 1/1(11053) दिनांक 17-2-78 के अधिकमण में है।

#### दिनांक 18 मार्च, 1978

सं० प्र०-1/1(911)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (मुकटमा) (ग्रेड-1) श्री एच० एस० मटूर दिनांक 31-1-78 के ग्रवराह्म से इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में ग्रनुभाग ग्रीधकारी के पट पर श्रवनत हो गये।

#### दिनां क 20 मार्च 1978

सं० प्र०-1/1(1067)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एउद्द्वारा संय लोक नेका प्रायोग की मिफारिशों पर निम्नलिखित प्रिधिकारियों को दिनांक 1 मार्च, 1978 के पूर्वीह्न से प्रौर ग्रागामी प्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (प्रशिक्षण ग्रारक्षी) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

सर्व श्री

- 1. बी०ए०प्रभाकरण
- 2. दीपक घोषाल ।

सं० प्र० 1/1(1120) → पहानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में प्रवीक्षक श्री जे० सी० भट्टाचार्जी को दिनांक 1 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रीर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पट परस्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 21 मार्च 1978

सं० प्र० 1/1(350)वी—राष्ट्रपति, निदेशक पूर्ति तथा निपटान, मद्रास (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-1) श्री एम० एम० मिस्त्री को दिनांक 27 फरवरी, 1978 के अपराक्ष से गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के दिनांक 26-8-77 के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013/7/77 स्था० (ए) के ग्रुग्रीन सेवा से ऐच्छिक निवृत्ति सेने की ग्रुगुमति प्रदान करते हैं।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## श्राकाशवाणी महानिवेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० 3/35/60 एस-दो— महानिदेशक, ग्राकाशयाणी, श्री एंतर सीर पारवाणी, लेखाकार, श्राकाशयाणी, लखनऊ को, अगले श्रादेशों तक, 24-2-78 (पूर्वाह्म) से श्राकाशयाणी, लखनऊ में किन्छ प्रशासन श्रीधकारी (वेतनमान 650-960 रुपए) के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 15 मार्च 1978

सं० 3(14)/64 एस-दो---महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सरदारी लाल, लेखाकार, एच०पी० टी० आकाशवाणी, किंग्जवे को, श्राप्ते आदेशों तक, 28-2-78 (पूर्वाह्म) से, आकाशवाणी, जापुर में किन्छ प्रशासनिक अधिकारी (वेतनमान 650-960 रूप्) के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेवाद्रि प्रणासन उप निवेणक इते महानिदेशक

## नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 6/147/62-स्टाफ-<sup>I</sup> बाल्यू० III—केंद्र निदेशक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर द्वारा दिनांक 3-12-75 से दिनांक 18-1-77 तक मंजूर की गई छुट्टी की समाप्ति पर, महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री के० श्रार० मल्होत्रा, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी का त्यागपत्र दिनांक 19 जनवरी, 1977 से स्वीकार करते हैं।

> नन्द किशोर भारद्वाज प्रशासन उप निदेशक **कृते म**हानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० 9-57/75-के० स० स्वा० यो०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर से ग्रपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप छा० एम० एल० शर्मा, ग्रायुर्वेदिक फिजीशियन ने 18 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में ग्रपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एस० भाटिया, उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1978

सं ० ए० 12025/1/77-डी० सी०—-राष्ट्रपति ने केन्द्रीय श्रांषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के फार्माकालोजिस्ट, डा० जे० साहा को 31 जनवरी, 1978 भपराह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उसी प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (विष-विज्ञान) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

डा० साहा ने केन्द्रीय श्रौषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में फार्माका-लोजिस्ट के पद का कार्यभार उक्त तारीख से छोड दिया है।

राष्ट्रपति ने केन्द्रीय श्रौषध प्रयोगणाला, कलकत्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिधकारी (विष-विज्ञान), डा॰ (श्रीमती) दिपाली राय को भी 31 जनवरी, 1978 अपराह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी प्रयोगणाला में फार्माकालोजिस्ट के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

डा० (श्रीमती) दिपाली राय ने केन्द्रीय श्रौषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (विष-विज्ञान) के पद का कार्यभार उक्त तारीख से छोड़ दिया है।

#### दिनांक 18 मार्च 1978

सं० ए० 12025/16/76-प्रशासन-1—-राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली में बाल मार्ग-दर्शन क्लिनिक के निदेशक के पद पर श्रपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री महावीर गिह ने 2 फरवरी, 1978 अपराह्म से श्रिखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता से साइकालोजी के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

राष्ट्रपति ने श्री महाबीर सिंह को 14 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक राजकुमारी श्रमृतकौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली में बाल मार्गदर्शन क्लिनिक के निदेशक के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/46/76-(बी० सी० जी०)/प्रशासन-I---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जे०शनमुग्म को 24 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागमी ग्रादेशों तक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, भिडी, मद्रास में पशुचिकित्सक के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर तैनात किया है।

णाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रणासन (सं० व प०)

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, विनांक 15 मार्च 1978

सं० फाईल ए-39013/1/78-प्र० तृ०—श्री विक्रम सिंह पवार, सहायक विपणन श्रिधिकारी द्वारा दिए गए त्यागपन्न की स्वीकृति के पश्चात् उन्हें इस निदेशालय, के बंगलौर स्थित कार्यालय से दिनांक 4 फरवरी, 1978 (अपराह्न) से उनके कार्य से मुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला, निदेशक, प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 15 नवम्बर 1977

सं० 5/1/77-स्थापना/-II/2764—नियंत्रक, भाभा पर-माणु श्रनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित श्रधिकारियों को उनके नाम के श्रागे लिखी श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं:---

क्रम च		स्रवधि		
सं०	नाम तथा पदनाम	 से	तक	
1.	————————————— श्री के० संकरंकुट्टी, सहायक	19-7-77	26-8-77	
		31-8-77	7-10-77	
2.	श्री एन० बालकृष्णन, सहायक	29-7-77	14-10-77	
3.	श्री ए० के० काले, सहायक	22-8-77	17-9-77	
4.	श्री पी० बी० करंदीकर, सहायक	31-8-77	11-10-77	
5.	श्री यु० ग्रार० मेनन, सहायक	8-8-77	14-9-77	
6.	श्री के० पी० ग्रार० पिल्ले,			
	सलेक्शन ग्रेड क्लर्क	4-8-77	14-9-77	
7.	श्री एल० बी० गावडे, सहायक	3-10-77	5-11-77	

#### दिनांक 18 नवम्बर 1977

सं० 5/1/77-स्थापना-II/4803—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित स्थाई सहायक कार्मिक श्रिधिकारियों को इसी अनुसंधान केन्द्र में उनके नाम के श्रागे लिखी अवधि के लिए स्थानापन्न प्रणासनिक श्रिधिकारी II नियुक्त करते हैं:——

- 1. श्री एस०ग्रार०डोंगरे--15-11-76 से 31-1-1977 तक।
- 2. श्री बी० सी० पाल--10-1-77 से 25-2-77 तक ।
- 3. श्री बी० पी० नाइक---10-1-77 से 19-2-77 तक।

यह म्रधिसूचना इस प्रभाग की दिनांक 7 मार्च 1977 की समसंख्यक ग्रधिसूचना 872 का स्थान लेती है।

#### दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० 5/1/77-स्थापना-II/4929—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित श्रधिकारियों को उनके नामों के श्रागे लिखी श्रवधि के लिए तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक श्रधिकारी /सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं:--

ऋम सं ०	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न नियुक्ति	श्र	विध ~
			से	तक
	श्री वी०पी० नाइक सहायक कार्मिक म्रधिकारी	प्रशासनिक श्रधिकारी II	16-8-77	29-9- <b>7</b> 7 (ग्रपराह्न)

15	2		3	4
	गि०टी०पी० र सहायक	सहायक कार्मिक र्या कारी	1 6- 8- 7 7 ध-	2-10-77
	एन० बाल- ान, सहायक	सहायक कामिक ग्रधिकारी	24-10-77	24-11-77

सं०5/1/77-स्थापना-II/4933—नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, श्री ए० एन० नायर, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र के एक स्थाई सहायक को, दिांक 26 प्रगस्त 1977 के ग्रपराह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक बी० ए० ग्रार० सी० (व्ही० ई० सी० प्रोजेक्ट, कसकत्ता) में एक स्थानापन्न लेखाधिकारी II नियुक्त करते हैं।

बी० एम० खातु, उपस्थापना ग्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय भ्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 मार्च 1978

सं०क्रभनि/23/14/77-संस्थापन/9446—निदेशक, कय धौर भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० एल० ठाकुर सहायक कय ग्रिधकारी के क्रय ग्रिधकारी नियुक्त होने पर इस निदेशालय के ग्रस्थायी क्रय सहायक श्री चिनकुर्ली श्रीकंठ शिवराम् को, सहायक क्रय ग्रिधकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में दिनांक 29-11-77 से 31-12-77 तक तदथे रूप से, इसी निदेशालय में नियुक्त कर ते हैं।

#### दिनांक 18 मार्च 1978

सं० ऋभिनि/23/4/77-संस्थापन/9568—िनिदेशक, ऋय ग्रीर भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एम० नारायणन्, सहायक ऋय ग्रधिकारी के ऋय ग्रधिकारी नियुक्त होने पर, दिनांक 20-2-78 से 7-4-78 तक, इस निदेशालय के ग्रस्थायी ऋय सहायक श्री एस०एन० देश मुख को, सहायक ऋय ग्रधिकारी के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन कम में तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० कभनि/23/2/77-संस्थापन/9572—निदेशक, क्रय श्रौर भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित भंडारियों को प्रभारी सहायक भंडार ग्रिधिकारी के रूप में रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में, तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में उनके सम्मुख दिये गये समय तक के लिये नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	नाम श्रौर कार्य करने का स्थान	समय	रिमार्क
1	2	3	4
1. র্থ	ो डी० एच० चोथिया	1-2-78 से 3-3-78 तक	श्री श्रौतार सिंह सहायक भंडार श्रधिकारी को श्रवकाश स्वीकृत होने पर।
2. র্গ্ব	ो जी० सी० गुप्ता	1-3-78 से 31-3-78 तक	श्री बी० डी० काण्डपाल सहायक भंडार श्रधिकारी को श्रवकाश स्वी- कृत होने पर ।

वी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक प्रधिकारी

# (परमाणु खनिज प्रभाग)

# हैदराबाद-500016, दिनांक 19 मार्च 1978

सं० ए० एम० डी०-1/30/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री नरसिम्हा राव को 10 मार्च, 1978 के अपराह्म से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर, ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगानाथन, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

# रिएक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र कलपक्कम, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० श्रार० श्रार० सी०/3059/78-6593—िरएक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक एतद्द्वारा श्री किथनहिल्ल चलुवैया केशव कुमार को, इस ग्रनुसंधान केन्द्र में रुपये 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000— द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 24 जनवरी, 1978 से श्रगले श्रादेश तक के लिए वैज्ञानिक श्रिधकारी ग्रेड एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्चार० एच० षंमुखम्, प्रणासनिक श्वधिकारी कृते परियोजना निदेशक

# श्रंतरिक्ष विभाग भारतीय श्रंतरिक्ष श्रनुसंधान संगठन श्रंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380053, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ग्रं० उ० के०/स्था०/टेस्क/14/78—श्रन्तिरक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री के० एन० मुरली को इंजीनियर एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप में, श्रन्तिरक्ष विभाग, भारतीय श्रंतिरक्ष श्रनुसंधान संगठन के श्रंतिरक्ष उपयोग केन्द्र में 14 नवस्बर 1977 से श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त किया है।

> एस० जी० नायर प्रधान, कार्मिक श्रौर सामान्य प्रणासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० ए-38012/1/77-ई० सी०—िनवर्तन स्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री एच० एल० गैनाय, सहायक संचार स्रधिकारी, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र ने दिनांक 31-1-1978 (श्रपराह्म) को श्रपने पद का कार्य-भार त्याग दिया है।

> सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1978

सं० ए० 24012/11/77-ई० एस०—राष्ट्रपित ने श्री एम० एम० चावला, वरिष्ठ विमान निरीक्षक को श्री एस० वी० देवकुले, की छुट्टी रिक्ति में दिनांक 4-7-1977 से 27-8-1977 तक की श्रविध के लिए तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियत्नक, वैज्ञानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीतलाल खण्डपुर, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1978

सं० ए-39013/3/78-ई० ए०——महानिदेशक नागर विमानन ने श्री हुकमचन्द, सहायक विमानक्षेत्र श्रधिकारी, सिविल हवाई श्रह्डा, नागपुर का दिनांक 4 मार्च, 1978 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

> विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय इलाहाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1977

सं० 2/1978--केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय वाराणसी में तैनात श्री बी० बी० भट्टाचार्य स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) की नियुक्ति इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्न संख्या 11 (3)/93 स्था०/77/6838 दिनांक 11-3-1977 द्वारा जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 52/1977 दिनांक 11-3-1977 के आनुसार ६० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40 1200 के वेतन मान में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर की गयी थी। उन्होंने दिनांक 1-7-1977 को दोपहर के पहले सीमाशुल्क निवारक मण्डल, गोरखपुर में, अधीक्षक सीमाशुल्क, बाबतपुर हवाई अष्टुं के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

श्चमृत लाल नन्दा समाहर्त

# मदुरै-2, दिनांक 17 मार्च 1978

सं० 1/78—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के श्रखंड महुरै मंडल के कार्यालय के श्री एल० मुनिरत्नम, प्रशासनिक श्रधिकारी (ग्रुप बी) को पुनरीक्षण से रिक्त स्थान पर, श्री एम० पोन्नमवलम, कार्यालय श्रधीक्षक, मुख्यालय, महुरै को स्थानापन रूप में ६० 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतन मान पर श्रगले श्रादेश तक नियुक्त किया जाता है। श्री एम० पोन्नमवलम ने ग्रधिकारी के रूप में ता० 29-9-77 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया है।

सं० 2/78—केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क समाहतलिय मुद्रास के कार्यालय ग्रधीक्षक श्री के महालिंगम को अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक मुख्य लखाधिकारी (ग्रुप बी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के बेतन मान पर नियुक्त किया जाता है।

श्री केर््महालिंगमने मदुरै मंडल के मुख्यालय में तारीख 30-1-78 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 3/78—केन्द्रीय उत्पादत-शुल्क के निम्न लिखित निरीक्षकों को प्रगले श्रादेश होने तक, स्थानापन्न रूप से श्रधीक्षक (ग्रुप बी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में नियुक्त किया गया है। उनके कार्यग्रहण के स्थान श्रीर कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार है।

न्नाम स्रधिकारी का नाम	नियुक्ति स्थान	कार्य भार ग्रहण करने की तारीख
(1)	(2)	(3)
1. श्री ए० नटराजन	रामना <b>ड़</b> सी० णु०डीनं०	21-11-77

(1)	(2)	(3)	(1)	(2) (3)
 सर्वेश्री			_5.2	<u>,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,</u>
2. एन० श्रीनिवासन	पलिन एम० स्रो०	9-1-78	सर्वश्री	2'
	ग्रार०		21. टि० दुरैकण्णन	वें कटाजलपुरम 17-2
3. डी० सुब्बया	कलुगुमलै एम०	19-1-78		एम० ग्रो० श्रार० (कार्याः नेः)
	ग्रो <b>े ग्रा</b> र०		0.0 H - 11-77-7	(सात्तूर में)
<ol> <li>एस० कृष्णन</li> </ol>	भ्ररुपुकोट <b>ँ</b>	16-1-78	22. ए० धनराज	कालयम पुदूर 22-2 एम० भ्रो० भ्रार०
	एस० भ्रो० भ्रार०	,		एन ज्ञारण (पलनी में)
5. श्रारतर बारनबास	एलाइरम पन्न	18-1-78	23. डि० मंकरन	रामेश्वरम 6-3
	एम० स्रो० भ्रार०		20. (5 (() ()	सीमा शुल्क सर्कल
<ol> <li>एस० एन० क्रुष्ण स्वामी</li> </ol>	शिवकाशी ''डी''	16-1-78		
	एम० ग्रो० ग्रार०			एम० एस० सु <b>त्र</b> मण सम
<ol> <li>बी० कण्णप्प चेटिटयार</li> </ol>	श्रीविललिपुत्तूर	16-1-78		——————————————————————————————————————
	एम० स्रो० स्रार०		संगठन एवं	प्रबन्ध सेवा निदेशालय
<ol> <li>एस० सुब्रमणियम</li> </ol>	विलांगुडि	16-1-78		ाथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
, 3	एम० स्रो० द्यार०		~	दिनांक 15 मार्च 1978
	(मबुरै में)		सं० 8/78—-श्री ए	, <mark>स० डी० चन्दवानी, ने जो हा</mark> ल
<ol> <li>बि० रॅंगैया</li> </ol>	गांधी नगर एम०	16-1-78	में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क	समाहर्ता, नागपुर में प्रधीक्षक, के
- , . , ,	भ्रो० भ्रार०		उत्पाद शुल्क, ग्रुप <sup>रं</sup> ख'	के पद पर कार्य कर रहे थे, सं
	( कोविलपट्टी में)			लय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद श्
। 0. <b>बि०</b> नरसिं <b>ह्</b> मूर्त्ती	मसुरै	16-1-78	नई दिल्ली में कनिष्ठ वि	क्लेषक केरूप में प्रतिनियुक्त किए
। 1.  के० एस० श्रीनिवासन	ति <b>रुनग</b> र	16-1-78		1978 (पूर्वाह्म) से उक्त पर
20 10 30 100	एम० भ्रो० श्रार०	101.0	कार्यभार संभाल लिया	है ।
	(मदुरै में )			दया स
. 2. <b>बी० ग्रब्दुल न</b> फूर	भ <b>दुरै</b> (मुख्यालय)	16-1-78		निदे
। 3.  एस० पेरिमस्वामी	मद्रै भोपसल	16-1-78		संगठन एवम् प्रबन्ध सेवा निदेश
<b>,</b> ,	एम० म्रो० म्रार०		—————— गोटावरी ज	ल-विवाद न्यायाधिकरण
	(मदुरै में)			दिनांक 24 फरवरी 1978
4. पि० रितनम	तिरुच्ची'	16-1-78		
<ol> <li>एस० राजगोपालन</li> </ol>	पुदुग्रामम	16-1-78		गो० ज० वि० न्याया०— <b>ग्र</b> न्तर्राष
	एम० ग्रो० ग्रार०			956 (1956 का 33वां) की ध
	( कोविल पट्टी में)			क्तयों का प्रयोग करते हुए, गोदा
. 6. ए० लक्षमि नारा <mark>यण</mark> न	तिरुवरुबूर	16-1-78		श्रीबी० ग्रार० पल्टाको 22 फर
रेड्डी	एम० म्रो० म्रार०		1978 क पूर्वाह्न स ग्रा कालिक ग्रसेसर नियुक्त	गे ग्रन्य घ्रादेश होने तक के लिए। करते हैं।
7. एस० श्रार० कृष्णन	शिवकाणी ''ई''	16-1-78	•	- न्यायधिकरण के आ <b>दे</b> ण
	एम० ग्रो० श्रार०			श्चार० पी० मरव
8. के० स्न्दर राजन	तिस्तंगल "ए"	16-1-78		स्र
<del>p</del>	एम० ग्रो० श्रार०			
	(क्रियकाशी में)		निर्म <u>ा</u>	ण मञ्चानिदेशालक
	6 5 4 007	16-1-78		-
9. एम० सम्रभणियम	तिरुत्तंगल ''बी''		प्रान्द <b>ाता</b> (	
9. एम० सम्नमणियम	तिरुत्तगल विश ए <b>म० ग्रो० ग्रार</b> ०			तोक निर्माण    विभाग
9. एम० स <b>न्न</b> मणियम				लाक निमाण  विभाग रांक  15  मार्च  1978
9. एम० सक्रमणियम 0. <b>ए० रागव</b> न II	एम० ग्रो० ग्रार०	20-2-78	नई बिल्ली, बिल सं० 33/3/75-ई०	

विभाग में 700-40-900-द० रा०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में 700/5 रुपए प्रति मास पर सामान्य गतौँ पर 6-3-78 (पूर्वाह्म) से उप-वास्तुक के भ्रस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा, समूह-ए) नियुक्त करते हैं।

- श्री गर्ग 6-3-78 पूर्वाह्न से दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।
- 3. श्री गर्ग की मुख्य वास्तुक की एकक में नियुक्त किया जाता है।

डी० पी० म्रोहरी प्रशासन उप निदेशक

#### उत्तर रेलवे

## नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० 25—भंडार विभाग उत्तर रेलवे के निम्नलिखित भिधकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से प्रन्तिम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गए हैं:—

- श्री जै० पी० सक्सेना सहायक भंडार नियंत्रक 31-7-77
   व्यासनाए ।
- 2. श्री कन्हैया लाल सहायक भंडार नियंत्रक 30-9-77 मिश्रा बीकानेर ।
- 3. श्री एस० एस० बर्दी सहायक भंडार नियंत्रक 31-1-78 प्रधान कायिलय ।
- 4. श्री म्रार० पी० भसीन सहायक भंडार नियंत्रक 28-2-78 प्रधान कार्यालय ।

जी० एच० केसवानी महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी बिधि बोर्ड कम्पनी के रजिस्टार का कार्यालय जालंधर, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० लिक्बी/2707/560—यतः नवदीप चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेट (इन लिक्बीडेशन) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय हाल बाजार श्रमुतसर में है का परिसमापन किया जा रहा है ।

श्रीर यतः श्रधोहस्ताक्षरीकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है तथा समापक द्वारा दी जाने वाली विवरणियां छै कमवर्ती मास की ग्रविध की नहीं दी गई हैं।

श्रतः श्रव कम्पनी श्रधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का स्त्रवसान होने पर नवदीप चिट फण्ट फण्ड एण्ड फाईनेन्स कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, ग्रीर कम्पनी को विषटित कर दिया जाएगा।

सस्य प्रकाश तायल कम्पनियों का रजिस्ट्रार पं० हि० प्र० व चंडीगढ़

### नई दिल्ली, विनांक 9 मार्च 1978

सं० लिक्वी/3378/4704—यतः, सुप्रीम चिट फंड एण्ड ट्रेड प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) जिसका रजिस्ट्री कृत कार्यालय 3457, कृष्णा निकेतन, देहली गेट, देहली में है, का परिसमापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः, भ्रधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है समापक द्वारा दी जाने वाली श्रपेक्षित स्टेटमेंट श्राफ श्रकाउन्ट धारा 551 के भ्रन्तगंत छैं कमवर्ती मास की श्रवधि की नहीं दी गई है।

श्रतः प्रथ कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का श्रवसान होने पर सुप्रीम चिट फंड एण्ड ट्रेंड प्राईवेट लिमिटेड (समापन में), का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किए जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, भीर कम्पनी को विघटित कर विया जाएगा।

मार० के॰ घरोड़ा सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर ईस्ट इन्डिया सत्संग स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० (133) 3/560/77-78/8692—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 566 की उपधारा (3) के मनुसार में एतब्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के म्रवसान पर ईस्ट इण्डिया सत्संग स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० बनर्जी क्म्पनी रजिस्ट्रार, बिहार पटना श्रहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1978

कम्पनी श्रधिनियम 1956 की घारा 445 (2) के श्रधीन सूचना मेसर्स नवजीवन ट्रेडिंग फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 1558/लीक्वीडेशन—कम्पनी श्ररजी नं० 59/1975 में श्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 17-8-1977 के भादेश द्वारा मेसर्स नवजीवन ट्रेडिंग फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का स्रादेश दिया गया है।

जै० गो० गाथा प्रमहल पंजीयक गुजरात घहमदाबाद

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर ग्रोरीशा पब्लीकेशन प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० एस० उ०/504-6944(2)—कम्पनी भविनियम, 1956 की द्यारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कोरीशा पब्लीकेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर के उत्कल चलचित्र प्रतीष्ठान प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० एस० उ०/351-6945(2)—कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि उक्त चलचित्र प्रवीष्ठान प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिलीप कुमार पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी **घ**धिनियम, 1956 घौर मे० मध्य प्रदेश पेपर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, 474001, दिनांक 17 मार्च 1978

सं० 898/टेक/1711—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के ग्रनुसरण में एतत्हारा सूचना दी जाती है कि मे० मध्य प्रदेश पेपर मिल्स लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> जसराज बोहरा कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रवेश, ग्वालियर

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर फारेस कुटी ईस्ट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० 29793/560(3)—कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृक्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रष्टसर पर पारेस कुटी ईस्ट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आएगा धीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रीर पारेस कुटी वैस्ट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० 29794/560(3)—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर पारेश कुटी वैस्ट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 ग्रौर पारेस कुटी नाथं लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० 29795/560(3)—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसर पर पारेश कुटी नार्थ लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मार्च, 1978

निर्देश सं० ए० पी० 141/बी०डी०/77-78:---यतः मुझें, पी० एन० मिलक,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६पए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है जो रोणन शाह बाला में स्थित है (श्रींर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,तारीख श्रगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त ग्रन्तरण लिखा में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: मब, उनत मधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, मैं, बनत मधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अणीत्।—- (1) श्री संत राम पुत्र श्री हरी सिंह पुत्र श्री फतीयो वासी बहक पछारियां, तहसील जीरा।

(अन्तरक)

- (2) श्री दिदार सिंह पुत्न वसाखा सिंह पुत्न ज्वाला सिंह ग्रौर करनैल सिंह, गुरमेंज सिंह पुत्नान महंगा सिंह पुत्न मस्सा सिंह वासी मोहाला तहसील जीरा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो ब्यक्षित सम्पत्ति में रुची रखता है।
  (वह व्यक्षित, जिसके बारे म श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितब ब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राञ्जेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अभुसूची

रोशन शाह वाला गाँव में 4 कनाल 94 मरलें जमीन जैसा कि विलेख नं० 3155 श्रगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम ग्रधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रजीन रेंज, भटिंडा

तारीख: 10 मार्च , 1978

त्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस∙---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 10 मार्च, 1978

निदेश सं० ए०पी० 142/भटिंडा/77-78:---थतः मुझें, पी० एन० मेलिक,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269 क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द∙ से अधिक हैं और जिसकी

ग्रीर जिसकी संवजैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जेडियाला म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये भन्तरित की गई है भौर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से भिष्ठक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किती घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनयम, या धन-कर अभ्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिर्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में मुविधा के लिए,

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात् :→- (1) श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री लछमन सिंह गांच जंडियाल तहसील नवां शहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगतार सिंह पुत्र श्री केहर सिंह गांव धदावर कलां तहसील फिलौर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 म है। (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिभ्धोग में सम्पत्ति है)।
- ( म) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्विध, जो भी धर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्वब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भश्चित्तयम, के भश्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जंडियाला गांव में 39 कनाल 11 मरलें जमीन जैसा कि विलेख नं० 2288 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, स**क्षम श्रधिकारी**, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेज, भटिंडा

तारी**ख**ः 10 **मार्च**, 1978

प्ररूप ग्राईं टी० एन० एस०-

आयमर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रिधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मार्च, 1978

निदेश सं० ए० पी० 143/भटिंडा/77-78:---यतः, मुझें, पी० एन० मिलक,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मिश्रिक है

स्रोर जिसकी सं०जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जंडियाला में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवां शहर में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरिक (मन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बन्नीन, निम्नसिबत व्यक्तियों, शर्थातुः— (1) श्री मलिकयत सिंह पुत्र नत्था सिंह गांव जंडियाला तहसील नवां शहर !

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगेंन्द्र सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह गांव कलाराँ, तहसील नवां शहर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग म सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  म हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जंडियाला गांव म 40 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2811 सितम्बर 1977 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> वी० एन० मिलक, सक्षम प्रधिकारी, महायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, भटिंडा

तारीख: 10 मार्च, 1978 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कांयालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मार्च, 1978

निवेश सं० ए० पी० 144/भटिंडा/77-78:--यत: मुझे, पी० एन० मलिक,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रेरवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रम्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रथ, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्री वजीर सिंह पुत्र झंडा सिंह पुत्र माघी सिंह गांव नत्थु वाला जदीद तहसील मोगा हिस्सेदार गांव रेंड्झा, तहसील जीरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चमकौर सिंह,बलबीर सिंह, इन्द्रजीत सिंह, जगजीत सिंह पुत्रान नाजर सिंह बेटा श्रर्जन सिंह गांव रेंड्वा तहसील जीरा।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग म सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है)।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रेड़वा गांव में 70 कनाल 12 मरलें जमीन जैसा कि विलेख नं० 3486 श्रगस्त 1977 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मिलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 10 मार्च, 1978

भोहर:

## प्रकृप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## भार्यालय, सहायक भार्यकर भार्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 10 मार्च, 1978

निदेश सं० ए० पी० 145/भटिंडा/77~78:—यत: मुझें, पी० एन० मिलक, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

रुपए से मधिक है

भौर जिसकी सं०जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रेंड्वा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची म भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1977

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर ध्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;।

अतः धव उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- (1) श्रो गुरदास सिंह पुत्र हरी सिंह पुत्र फीना सिंह वासी तत्थु वाला जदीद अब गांव रेंड्या तहसील जीरा। (अन्तरक)
- (2) श्री चमकौर सिंह, बलबीर सिंह, इन्द्रजीत सिंह, जगजीत सिंह बेंटेनाजर सिंह पुत्र श्रर्जन सिंह वासी नत्थुवाला।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिनियम के भव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वहीं भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रेंड्या गांव में 77 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3485 श्रगस्त 77 विलेख कर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 10 मार्च, 1978

प्रकृप माई०टी० एन० एस०----

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्राय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मार्च 1978

निदेश सं० ए०पी० 146/भटिंडा/77--78:----यत: मुझे, पी० एन० मिलक,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से म्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भाषिक है भौर प्रम्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भविनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर धिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिवियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269 थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मिश्वित क्यक्तियों, ग्रथींत :— (1) श्री कशमीर सिंह, हरिकशन सिंह पुत्र चर्ण सिंह गांव जफरपुर, तहसील नवां शहर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री दर्शन राम पुत्र दिवान चन्द गांव ग्रुप 9 गढ़ शंकर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को **यह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख ते 45 विम के मीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिशाः—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के घट्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस घट्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

राहों गांव में 24 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2268 ग्रगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायक्त (नि**रीक्षण**), ग्रजेन रेंज, भटिंडा

तारीखा: 10 मार्च 1978

मोहर:

3-16GI/78

प्ररूप धाई०टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मार्च 1978

निदेश सं० ए० पी० 147/भटिंडा/77-78:—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवाणहर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उपसा भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रष्टारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः प्रय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री बीर सिंह पुत्र जगीर सिंह पुत्र जगत सिंह गांव राहों तहसील नवां शहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलकार सिंह पुत्र बुड़ सिंह वासी कोट रांझा तहसील नवां शहर ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारें में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पब्दीकरण:-इसम प्रयक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के घ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

राहों गांव में 56 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2295 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी०एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 10 मार्च 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भटिडा भटिडा, दिनांक 18 मार्च 1978

निदेश सं० ए० पी०/148/भर्दिडा/77-78 यतः मुझे पी० एल० मिलक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है भीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, तथा जो टुडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के घ्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐभी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री गुरदयाल कौर विधवा हरदित सिंह पुत्र राम सिंह वासी बुडी जिला फरीदकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मेजर सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह वासी दुढी।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≆त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिये कार्मबाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप⊸-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन के भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक्ता

स्यब्बीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; वहीं ध्रर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुड़ी गांव में 27 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलख नं० 1963 प्रगस्त, 1977 रजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भटिंडा

तारीखाः 18 मार्च, 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 मार्च, 1978

निदेश सं० ए० पी० 149/भटिंडा/77-78:--यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो दुड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से श्रिक्षक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तिरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में
वास्तिक हव स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरग से हुई किसी प्राप की बावत, उक्त प्रिक्षित्यम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसो किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रय, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :--

(1) श्री गुरदयाल कौर विधवा गुरदित्त सिंह पुत्र राम सिंह वासी दुडी तहसील फरीदकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह गांव दुडी तहसील फरीदकोट ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिभिधोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखेता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भो आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पर्दों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुडी गांव में 27 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलख नं० 1979 ग्रगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है)।

> पी० एन० मलिक, सक्षम ऋधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 18 मार्च, 1978

मोहरः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 मार्च, 1978

निदेश सं० ए० पी० 150/भटिंडा/77--78:---यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो दुड़ी में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भ्रगस्त, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय म्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन सिम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--- (1) श्री गुरदयाल कौर विधवा हरदित्त सिंह पुत्र राम सिंह गांव दुखी तहसील फरीदकोट ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री ठाना सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र गुरिवक्त सिंह गांव दुडी तहसील फरीदकोट।
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेत--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ढुडी गांव में 27 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1980 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा है) ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 18 मार्च, 1978

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 21 मार्च, 1978

निदेश सं० ए० पी० 151/भटिंडा/77-78:-श्रतः मुझे, पी० एन० मलिकः,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उसत श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत :— (1) श्री सतपाल खुद ग्रौर मुएत्यारे श्राम भूप सिंह बासी भटिंडा ।

(म्रस्तरक)

- (2) श्रीमती कैलाण उर्फ संगीता रानी पुत्री चुनी लाल श्रीर कमलेश रानी पुत्री राम कृष्ण वासी भटिंडा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसाकि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके फ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।
  श्रमुसुची

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपड्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भटिंडा में दुकान नं० 4626 का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 2605 जुलाई, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिंडा में लिखा है।

> पी० एन . मलिक, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारी**ख** : 21 मार्च, 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 21 मार्च 1978

निदेश सं० ए० पी० 152/भटिंडा/77-78--यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहृप्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी भाष या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवः, उन्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के धनुसरग में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्वनितर्यों, ग्रचौत् :---- (1) श्री सतपाल खुद ग्रौर मुखत्यारेश्राम भूप सिंह वासी भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती कैलाश उर्फ संगीता रानी पुत्नी चुनी लाल श्रीर कमलेश रानी पुत्नी राम कृष्ण वासी भटिंडा। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पक्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता र । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ह किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभावित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा। जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

## अमुसूची

भटिंडा में दुकान नं० 4626 का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 2916 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> 9ी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 21 मार्च 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 27 जनवरी 1978 सं० ए०-146/सिल०/77-78/1302/04:---ग्र

निर्देश सं० ए०-146/सिल०/77-78/1302/04:---श्रतः मुझे, एगबर्ट सिंग, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुच्ची में ग्रीर पूर्ण रूप हे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सिलचार में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 18-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरित (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उहेग्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो प्राय को दाबत, उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) ईस्किजिउतिब भ्राफिसर सिलचार म्युनिसिपल बोर्ड (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्रतुलि किन साहा, स्वर्गीय गंगा चरन साहा का पुत्र, 2. श्री गोकुल चन्द्र साहा, मटन लाल साहा का पुत्र, कालियारि सड़क, सिलचार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जिमन के परिमाप 8 काता जो प्लाट सं० 13 में है। यह केटल मारकट सिलचार सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 27 जनवरी 1978

मोहरः

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269थ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 जनवरी 1978

निदेश सं० ए०-147/सिल/17-78/1305-07:--यतः, मुक्को, एगबर्ट सिंग,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6350 श्रीर 6351 है तथा जो परगना बारकपार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मौजा सिलवार शहर (कछार) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में भ्रुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया द्वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थातः— (1) ईस्किजिउतिब म्नाफिसर, सिलचार म्युनिसिपल बोर्ड। (ग्रन्तरक)

(2) श्री निरम्जन रोय, 2. श्री निवरत रोय, श्री जामिनि चन्द्र राय का पुत्न, रंगिखरि, सिलचार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 · दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धांधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्वेकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टि-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनु सुची

जिमन के परिमाप 8 काता जो पलोट सं० 6 में है। यह केटल मारकेट सिलचार सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

दिनांक: 27 जनवरी 1978

मोहर:

4--16GI/78

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 फरवरी 1978

निवेश सं० ए०-154/सिल/77-78/1388-90:--- अतः, मुझे, एगबर्ट सिंग,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी दाग सं० 6351 है तथा जो परगना, बारकपार मौजा सिलचार सहर (कछार) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिलचर में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 18-7-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिन्नियम के मिन्नी कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठित्यम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) एगजिकिछटिव भ्राफिसर, सिलचर म्यनिसिपलं बोर्ड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीहरिशिकेश स्याम, 2. श्री टलोकेश रन्जन स्याम, स्वर्गीय कुमुद रन्जन स्याम का पुत्र, पदम नगर, सिलचर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवल सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जिमन के परिमाप 8 काता भाग सं० 30 जो कि केटल मारकेत सिलचार सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, भिलोग

तारीख: 7 फरवरी 1978

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०------

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, शिलांग
श्रिलांग, दिनोक 17 फरवरी 1978

निवेश सं० ए०-155/सिल/77-78-1410-11:--प्रतः मुझे, एगबर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- क्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी टाग सं० 6351 है तथा जो परगता बारकपार मौजा सिलवार सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रम् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिलवर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पखह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बायत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राश्तियों, को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः प्रव, उक्त भ्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुबरण में, मैं, उक्त भ्रिष्ठिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रश्नीन निम्नलिकित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- (1) इगजिकिउटिय श्राफिसर, सिलचर म्य्निसिपल बोर्ड। (श्रन्तरक)
- (2) सुखारन्जन चन्दा, स्वर्गीय, राजेन्द्र कुमार चन्दा का पुत्र श्रमविका पत्ती, सिलचार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जिमन के परिमा 8 काता भाग सं० 2 जो कि केटल मारकेट सिलचार सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायक र श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 17 फरबरी 1978

### प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयंकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्योलय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 17 फरवरी 78

निर्देश सं० ए० 156 शिल० 77-78/ 1429-32 :-- म्रत: मुझें एगबर्ट सिंह,

प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीरजिसकी दाग सं० 6351 हैतथा जो परगना बारकपूर मुजा सिलचर शहर सिलचर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिकियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रण्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष प्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, प्रव, अक्त प्रधिनियम की घारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की घारा 269घ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) एगजिक्यूटिव श्राफिसर (भ्रन्तरक) सिलचार म्युनिसिपल बोर्ड
- (2) 1. श्री साईलेनद्र चन्द्र पाल
  - 2. श्री मोहम चन्द्र पाल, पाडमानगर सिलचर
  - श्री सुनील चन्द्र पाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी था से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिभियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है

#### अनुसूची

जमीन के परिमत्य 8 काता भाग सं० 5 जेख के कटेल मारकेट सिलचर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 17 फरवरी 1978

मौहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 18 फरवरी, 78

निर्देश सं० ए० 157/ सिल०/ 77-78/ 1422-24 :— अत: मुझें एगबर्ट सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी दाग सं० 10351 है तथा जो परगना बाराकपूर मुजा सिलचर सहर सिलचर में स्थित है ( ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधियनयम , 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख, 18-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर मन्तरित (भन्तरित्तेयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

(1) एगजिकुटिव श्राफिसर सिलचर मुनोसिपिल बोट

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री सुरेश चन्द्र पाल सुपुत्र श्री राईमोहन पाल पदमा नगर सिलचर
 2. श्री राखेस चन्द्र पाल सुपुत्र राई मोहन पाल गोपालगंज सिलचर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठोंकत सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमित के परिमाप 8 काता भाग सं० 35 जेंड कि केटल मारकेट सिलचर शहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 18-2-78

# प्राक्तप आई०टी० एन० एस०-

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, विनांक 23 फरवरी 78

निर्देश सं० ए० 158/सिल० 77-78/ 1438-40: — अतः मुझे एगबर्ट सिंग आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी दागसं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-7-77 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से घधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की नायत उक्त प्रश्चितियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्वनियम या धन-कर मिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत:—

- (1) एगजिकि उटिवं आफिसर सिलचर, म्यूनिसिपल बाड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिरेन्द्र चन्द्र पाल, 2 श्रशित रन्जन देव, श्रसपताल सङ्क सिलचर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध,
  जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद्ध किसी झन्य ध्यक्ति द्वारा, झधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

# अमुसूची

जमीन कि परिमाप 8 काता भाग सं० 8 जो कि केटल मारकेट सिलचर शहर में स्थित हैं।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, शिलांग

तारीख : 23-2-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 23 फरवरी 78

निर्देश सं० ए० 159/ सिल०/ 77-78/ 1445-48 :---अतः, मुझे एगबर्ट सिंग

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी दाग सं० 6351 है तथा जो परगना वारक-पारमोजा सिलचर गहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18/7/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर भूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरग से हुई िकतो आय की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के मन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) एगजिकिजिटिष श्राफिसर, सिलचर म्यूनिसिपल बोर्ड (ग्रन्तरक)
- (2) 1 श्री प्रभात चन्द्र पाल, 2 मिनन्द्र चन्द्र पाल, 3 सुनील चन्द्र पाल, पदम नगर सिलचर।
  (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविश्व या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

जिमन की परिमाप 8 काला भाग सं० 12 जो कि केटल मारकेट, सिलचर शहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीमकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 23 फरवरी 1978

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 23 फरवरी 78

निर्देश सं० ए० 160 | सिल०| 77-78| 1453-56 :--श्रतः मझे, एगबर्ट सिंह

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचार शहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सिलचर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 18-7-77

1908 (1908 का 16) क अधान, ताराख 18-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठितयम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) एगजिकिउटिव आफिसर, सिलचर म्यूनिसिपल बोर्ड (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती श्राणा रानी पाल, निखिल चन्द्र पाल की पश्नी 2. बिरेन्द्र चन्द्र पाल, स्वर्गीय भारत चन्द्र पाल का पुत्र 3. मनमोहिनी पाल, विरेन्द्र चन्द्र पाल की पत्नी, पदम नगर सिलचर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी श्र्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्थिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रम्बोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनसची

जिमन के परिमाप 8 काता भाग सं० 1 जो कि केटल मारकेट, सिलचर शहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 23-2-78

प्र'€प आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, णिलांग

शिलांग, दिनांक 24 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० 152/ सिल०/ 77-78/1469-70 — अतः मुझे एगबर्ध सिंग प्रायंकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलचर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18/7/77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—— 45—16GI/78

- (1) एगजिकिउटिव भ्राफिसर, सिलचर म्युनिसिपल बोर्ड। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पूरन चन्द्र पाल, स्वर्गीय गोबिन्द चन्द्र पाल का पृत्र।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक्ष-नियम के भड़ियाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्भ होगा, जो उस भड़ियाय में दिया गया है।

# अनुसूची

जिमन के परिमाप 3 काता भाग सं० 27 जो कि केवल मारकेट सिलचर सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 24-2-78

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर भाय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 'शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० 153/ सिल०/77-78/1466-68 — म्रतः मुझे एगबर्ट सिंग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन ससम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द∙ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बरकपार मौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचित में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14/7/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्यित नहीं किया बया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वावत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अस्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अभ्रीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, ग्रथित :—

- (1) एगजिकिउटिय आफीसर सिलचर म्युनिसिपल बोर्ड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बकुल चन्द्र राय, उपपेन्द्र लाख राय का पुत्र 2. दिनेश चन्द्र पाल, स्वर्गीय प्रहलाद चन्द्र पाल, का पुत्र (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद किसी अन्ये व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों घौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं धर्य होगा, जो उस घड्याय में दिया गया है।

#### अमसची

जिमन के परिमाप 8 काता भाग सं० 24 जोकि केटल मारकेट सिलचर सहर में स्थित है ।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 24-2-78

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिक्षांग शिक्षांग, दिनांक 24 फरवरी 1978

निर्वेण सं० ए० 161/ सिल०/ 77-78 / 1464-65 — ग्रतः मुझे एगबर्ट सिंह ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19/7/77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त प्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे यचने के लिये सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या घन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ध्रतः ध्रव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- (1) एगजिकिउटिव भ्राफिसर सिलचर म्यूनिसिपल बोर्ड (भ्रन्तरक)
- (2) श्री परेश चन्द्र पाल, स्वर्गीय प्रहलाद चन्द्र पाल का पुत्र , लिखमपुर सरक, सिलचर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की धविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्टं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अमुसूची

जिमन का परिमाप 3 काता भाग सं० 23 जो कि कैटल मारकेट, सिलचर सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, शिलांग

तारीख : 24/2/78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० 165/सिल०/ 77-78/ 1491-94---मतः मुझे एगबर्ट सिंग

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269का के श्रधीन संक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दार्ग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार भौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19/7/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से मिसक है और भ्रन्तरक (मन्तरिकों) मौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्सरक के वायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाष या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधितियम या घन-कर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जातः जान, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा(1) के प्रधीन निम्नसिखित स्यक्तियों, अचित् :--

- (1) एगजिकिउटिव भ्राफिसर सिलचर, म्यूनिसिपल बोर्ड। (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्री सुबाश नन्दी, स्वर्गीय उपेन्द्र नन्दी का पुत्र 2. श्री सुनील कुमार धर, स्वर्गीय राम प्रसाद धर्का पुत्र 3. श्री स्वनिल कुमार धर, स्वर्गी राम प्रसाद धर का पुत्र पदम नगर, सिलचर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगै।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अभूसूची

जिमन के परिमाप 3 काता का भाग सं० 15 जो कि केटल मारकेट सिलचर सहर में स्थित हैं।

> एगवर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 27-2-78

# प्र₹प भाई० टी० एम० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० -164/ सिल०/ 77-78 — प्रतः मुझे एगबर्ट सिंग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है, तथा जो परगना बारक-पार सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 18-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तिरती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रत: ग्रब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिन श्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) एगजिकिउटिव ग्राफिसर सिलचर म्यूनिसिपल बोर्ड (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरेन चन्द्र पाल साहा श्री सुरेन्द्र लाल का पुन शिव कालोनी, सिलचर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जिमन के परिमाप 4 (चार) काता का भाग स० 3 जोिक केटल मारकेट सिलचर सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिक्षांग

तारीख : 27-2-78

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269 भ (1) के प्रश्नीम सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० 163/सिल०/77-78-14-79-80— अतः मुझे एगबर्ट सिंग भायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज

इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० दाग स० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचर शहर (कछार) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सिलचर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) गौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के भिष्ठीत कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या बन-कर घिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपामें में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के बधीन, निम्नविद्यात व्यक्तियों, प्रवातः—-

- (1) एगजिकिउटिव ग्राफिसर सिलचर म्यूनिसिपाल बीर्ड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री निखिल चन्द्र राय, श्री नगेन्द्रलाल राय का पुत्र लखिपुर सड़क सिलचर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त भक्षि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जिमन के परिमाप 3 काता का भाग सं० 17 जो कि केटल मारकेट सिलचर शहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, णिलांग

तारीख: 27-2-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 27 फरवरी, 78

निर्देश सं० ए० 162/ सिल 0/77-78/1499-500---**ग्रतः मुझे एगबर्ट** सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से मधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचर सहर ( कछार) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचि में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रैजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 16-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (ग्रन्तरकों) भीर (ग्रन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें मारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए;

सत: घव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:---

- (1) एगजिकिउटिव भ्राफिसर सिलचर म्यूनिसिपल बोर्ड (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रन्जीत कुमार पाल स्वर्गीय विरेन्द्र चन्द्र पाल का पुर्त

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम, के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जिमन का परिमाप 3 काला भाग सं० 14 जो कि केटल मारकेट सिलचर सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 27-2-78

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 31 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० 164/ सिल०/77-78/ 1349-51 — ग्रत: मुझे एगबर्ट सिंग

अता. नुस एनज तान आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-थ के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना वारकपार मौजा सिलचर सहर (कछार) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिलचर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-7-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत की गई है, भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिश्र के भीर मन्तरित (मन्तरित यों) के बीच ऐसे मन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्न सिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिष्ठिनियम, या धन-कर प्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अघिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयित् :—

- (1) एगजिक्तिउटिव म्नाफिसर सिलचर म्युनिसिपल बोर्ड. (भ्रन्तरक)
- (2) श्री श्रब्दुल रहिम मुफाजिल श्रलि, लखिपुर सड़क तिलचर।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रास्त्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी घन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है वही मर्च होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

जिमन के परिमाप 3 काता भाग सं० 6 जोकि केटल मारकेट सिलचर सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 31-1-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 31 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० 149/ सिल०/ 77-78/ 1347-48 :---ग्रतः मुझे एगर्बट सिंग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार भौजा सिलवार सहर (कछार) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर प्रन्तरक
(प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः मब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रयत् ः—्रे 6—16GI/78

- (1) एगजिकिउटिव श्राफिसर सिलचार म्युनिसिपल बोर्ड (श्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार राय, रोमपुर कालिचेरा, सिलचार (श्रन्तरिती)

को यह सूचेना जारो करके पूर्वीका समात्ति के स्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की घविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जिमन का परिमाप 3 काचा भाग सं० 16 जो कि केटल मारकेट सिलचार सहर में स्थित हैं।

> एगर्बट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, णिलांग

तारीख: 31-1-78

प्ररूप घाई॰ टी॰ एन॰ एस॰———— धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 31 जनवरी 78

निर्देश सं० ए० 150/ सिल०/77-78/1341-43 :— श्रतः मुझे एगर्वट सिंग आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 6336 श्रीर 6337 है, तथा जो परगना बारकपार मींजा सिलचार सहर कछार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है ), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिलचार में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 20-7-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त भ्रिक-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मुनिधा के लिए;

मतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:--

- (1) एगजिकिजिटिय आफिसर, सिलचार म्युनिसिपलबौर्ड (अन्तरक)
- (1) श्री अजीत कुमार पाल (2) बलराम पाल पदम नगर, सिलचार । (ऋनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति स्थावर संपत्ति में हितब के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उक्त ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमिन के परिमाप 8 काता भाग सं० 33 जो कि केटल मारकेट सिलचार सहर में स्थित है ।

> एगर्बट सिंग सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 31-1-78

प्रइष्य भाई० टी • एन • एस •-

द्मायकर द्मिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ(1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 31 जनवरी 78

निर्देश सं० ए० 151/ सिल०/ 77-78/ 1344-46 :--श्रतः, मुझे एगबर्ट सिंग

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० टाग सं० 6351 है तथा जो परगना बारकपार मौजा सिलचार सहर (कछार) में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध **अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी** के कार्यालय, सिलचार में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19/7/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (पन्तरकों) और धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिविनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/पा
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मजिनियम, की घारा 269-य अतः प्रव उक्त अमुहारण में, मैं; उस्त धिवनियम, की बारा 269-व की उपश्चारत (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, प्रथात्:--

- (1) एगजिकिउटिव भ्राफिसर सिलचार, म्युनिसिपल बोर्ड। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बनेग्धर पाल विपिन चन्द्र पाल का पूत्र (2) खेलारानी पाल. बिरेस्वार चन्द्र पाल का पत्नी सिलचार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की प्रविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पट**ीकरण:---**इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20季 परिभाषित है, वही भर्थ होगा, जो उस घष्ट्याय में दियागया है।

# अनुपूची

जमीन के परिमाप 8 काचा भाग सं० 32 जोकि केटल मारकेट सिलचार सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम अधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) ग्र**जैन रे**ज, शिलांग

वारीख: 31-1-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 मार्च 1978

25,000/-र० से श्रधिक है,

स्रोर जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो परगना मौजा सिलवार सहर (कद्दार) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है ), रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सिलवार में रजिस्द्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- बिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

धतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) एगजिकिडटिव भ्राफिसर सिलचार म्यूनिसिपल बोर्डे (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रब्दुल मजिङ, मफाजिल मातीन का पुत्न सिलचार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही ग्रर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## धमुसची

जमित के परिमाप 3 काता का भाग सं० 11 जो कि केटल भारकेट सिलचार सहर में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 2 मार्च 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 2 मार्च, 78

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० महल निसकार श्रीर टालुक 14728/39 महमद गोलाम श्रली है तथा जो स्टेसन सड़क करिमगंज कछार (ग्रासाम) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करिमगंज में रिजिस्ट्रोकरा श्रिकारी के वार्यालय, करिमगंज में रिजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27-7-77।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर धन्तरक (अन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जयन्त कुमार भुरा दुइपचन्द्र भुरा करिमगंज बाजार स्रासाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स ग्रासाम गिनिइ इण्डस्ट्रीज करिमगंज ग्रासाम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोक्तरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

टिन मकान, एक ग्रार० सि० सि० दो तला ग्रीर दो ग्रासाम टाइप मकान जो कि स्टेसन सरक करिमगंज कछार जिला (ग्रासाम), परंगना कुसेरकुल मौज मटल भाग H में स्थित है।

एगबर्ट राग सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, णिलांग

दिनांक: 2 मार्च, 1978

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण)

भ्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग,दिनांक 2 मार्च 78

निर्देश सं० ए० 168/77-78/करिमगंज/ख्रतः मुझे एगबर्ट सिंह जायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- दे० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० महल निसकार तालुक 14728, महमद गोजाम ग्राल है तथा जो स्टेसन सङ्क करिमगंज कछार (श्रासाम) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करिमगंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियन, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रष्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ग्राना ग्रिहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त घिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त घिष्ठिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निधिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——  श्री जयन्त कुमार भुरा दुईपचन्द भरा का लरकों, करिमगंज वजार ग्रसाम

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स ब्रासाम गिनिङ, ईण्डट्रस (पि०) श्रासाम लिमिटेङ, करिमगंज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस घटयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

तिन ग्रासम टाइप का घर जो कि स्टेसन सङ्क, करिमगंज कछार जिला (ग्रासाम), परगना खुसरे कुल मौजा मदल भाग 11 में स्थित है।

> एगबर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, शिलांग

दिनांक: 2 मार्च 1978

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 2 मार्च, 78

निर्देश सं० ए० 169/ करिमगंज / 77-78/ 520-21 :----श्रतः मुझे एगबर्ट सिंग

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० महल निसार निसकार ग्रीर तालुक 14728 है तथा जो जो स्टेसन सड़क करिमगंज कछार (ग्रासाम) में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करिमगंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरितो (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन व अन्य ग्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :-- (1) श्री जयन्त कुमार भूरा दुईपचन्ट भुरा का पुत्र क रिमगंज श्रासाम

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स प्रासाम गिडि ईण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, करिम-गंज श्रासाम ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

दो स्रासाम टाइप घरजोकि स्टेसन रोड करिमगंज क**छा** रजिला (श्रासाम) परगना कुसेरकुल मौजा मदल भाग $^{ ext{II}}$  में स्थित है ।

एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, ग्रिलांग

तारीख: 2-3-1978

प्ररूप धाई ० टी ० एन ० एस ० 🛶

. भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 9 मार्च, 1978

सं० 619: —यतः, मुझे एन० के० नागराजन, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 42/1, है जो कनपाक गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :--

- (1) श्रीमती पि० श्रपरंजनी, राजाम । (श्रन्तरेज)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनु सुची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक श्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3542/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

दिनांक : 9 मार्च, 1978

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० 622:—यतः, भुझे एन० के० नागराजन, भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिक है

श्रीर जिसकी सं० 12-25-180 है, जो कोत्तपेटा, गुन्टूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रिज-स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की वाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ष प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रन्सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :--7—16 GI/78

(1) श्रीमती एम० ललिताबाई, गुन्टूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० नागम्मा, वेटापालेम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजंन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया नया है।

# अनु सूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 15-7-77 में पंजी-कृत वस्तावेज न ० 3524/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14-3-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० 623:—यतः, मुझे एन० के० नागराजन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिमकी सं० 12-25-180 है, जो गुन्टूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रिजस्ट्रीनारण श्रिविषम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-7-77

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से क्रम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन व श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंथ, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन नियनलिखित व्यक्तियों, ग्रामीत्:--- (1) श्रीमती एम० ललिताबाई, गुन्टर।

( ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० वेंकटासुब्बम्मा, गुन्टूर । ( म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित है, वही श्रथें होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# अमुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3440/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी . सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 14 मार्च 1978

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस०--

\_\_ (1) श्रीमती वि० ग्रनसुथम्मा, गुन्दूर

(ग्रन्तरक)

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के ग्रधीन सूचना

**भार**त सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० 624: — यत:, मुझे एनं० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4-8-1 है, जो गुन्टूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ऋ) ऐसी किसी माय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मयः, जन्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में मैं, जन्त मधिनियम की घारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यिक्तयों अर्थात् :--- (2) श्री एस० बुल्लेय्या, गुन्टूर

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक्षा से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी क्यितिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-माषित हैं वही प्रर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूचा

गुन्ट्रर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3410/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-3-78

प्ररुप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 मार्च 1978

सं० 625:—यत:, मुझे एन० के० नागराजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्राप्तीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्राधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 24-ए-3-7/140 है, जो ऐलुंक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कायलिय, ऐलुक में रिजस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7-7-77

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्स प्रधिनियम के घधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या ग्रन्य मास्तियों, की, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखत व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती एव॰ सीतामहलक्ष्मी (2) एम॰ श्रीदेवीर 3. एव॰ विजयलक्ष्मी ऐलुइः।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बि० भ्रय्यायम्मा ऐलुरू।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास होंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदीं का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस शध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ऐलुरू रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2347/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा,

तारीख । 14-3-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० 626: -यत:, मुझे एन० के० नागराजन भायकर श्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है और जिसकी सं० 449 है, जो नोगलराजपुरम में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-7-77

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर बेने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; (और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रमीत्:--- (1) श्री एन० माधवराव, हैदरावाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डा० के० राजाराव विजयवाड़ा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचो

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रधिकारी में पंजीकृतः ग्रत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2184/में निगमित ग्रनुसूची सम्मत्ति ।

> एन० के० नागराजन स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर मायुक्त (निरीझण)** श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 15-3-78

प्रकप गाई० टी० एन० एस०-----

भायकरं भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० 627:---यतः, मुझे एन० के० नागराजन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से मधिक है भौर जिसकी सं० 17-1-11 है, जो पालकोल में स्थित है) स्रीर इससे उपाबद्ध अनमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पालकोल में रजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,तारीख 22-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधिनियम के झधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री के० नर्रामहारात्र, (2) के० पुरुषोत्तम नायुडु, सोंमपेटा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटेश्वराव, पालकोल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भिन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रिष्ठिम नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुखी

पालकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक श्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1838/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 15-3-78

# प्रकप भाई• टी• एन• एस•---

भायकर भिधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याक्षम, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनाक 15 मार्च, 1978

सं० 628 '---यतः, मुझे एन० के० नागराजन
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/ए० एम० 5794 श्रीर 5795 मिनेमा हाल है, जो उनगोल में स्थित है (श्रीर इमसे उपावद्ध श्रनमुत्ती में श्रीर पूर्ण का में गर्णन है ), रजिस्ट्रीकर्जा प्रधिकारी के कार्यात्म, उनगोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बबने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रीधनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ः—

- (1) श्री के० जालस्या (2) के० प्रभाकराराव, उनगोलु। (अन्तरक)
- (2) श्री जि० लीला कुमार प्रमाद (2) जि० रामनाध-साबु (3) जि० चन्द्र शेखरराव (4) जि० वीरनारायण बाबु, उनगोलु ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सपत्ति के मर्जन के सबध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पळीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

उनगोलु, रजिस्ट्री श्रधिकारी से पॉक्षिक ग्रंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1465/77 में निगमित ग्रनसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेज, काकीनाडा

तारीख : 15**-**3-77

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भग्नीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकिनाडा ककीनाडा, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० 629:—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर धिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें
इसके परचात् 'उक्त धिधितियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी टि सं० 510/1 है, जो तेनाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-7-77

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 22-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घिषक है और घन्तरक (मन्तरकों) भीर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रय, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की द्वपक्षारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, भर्षात्:→~ (1) कुमारी एम० कृष्टणवेणी, तेनाली

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० लक्ष्मी सत्यनारयण तेनाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यबाह्यिमं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तेनाली रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पॉक्षिक श्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2018 /77 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नारगराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

नारीख : 15-3-78

अरूप भाई o टी o एम o एस o-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) कि मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 मार्च 1978

सं० 630—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

अौर जिसकी सं० केतीबारी है, जो काकिनाडा तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा, में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 77

जुलाइ, 77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्त्रविक इन्य से कथित नहीं किया गया है:→→

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधित्यम के भाषीत कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य घ्रास्तियों को, जिन्हें घारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, खिगाने में मुखिश के लिए;

अतः धन उरत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातृ:—— 8—16 G1/77 1. (1) श्री श्रार० जगपतिराव } दगर। (2) श्रार० बलरामन्ना

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० शांतादेवी, पिल्लका ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सारीख से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# म्रन् सूची

काकिनाडा, रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पॉक्षिक श्रंत 31-7-77 में प्जीकृत दस्तावेज नं० 4111/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 16-3-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० 632 — यतः, मुझे एन० के० नागराजन, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 92/ बी० 2 है, जो भ्रम्मनक्रोलु में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्मनक्रोलु में भारतीय रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के भीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की, बाबत, उक्त प्रधि-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, म उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत्:—  (1) श्री डि० वेंकटेस्वरलु (2) डि० रामचन्द्रराव
 (3) डि० त्यगराजु (4) डि० राममोहनराव (5)
 डि० श्रीनिवासनराव (6) (6) डि० जवाहरलाल नेहरु श्रम्मनक्रालु ।

(भ्रन्तरक)

 श्री इंडरा वेंकटासुब्बम्मा, श्रम्मनक्रोलु । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

श्रम्मनश्रालु रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पांक्षिक श्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1266/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीखः 18-3-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 633—यतः, मुझे एन० के० नागराजन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 492, 494 तथा 496 है, जो पेनुमदम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पालकोल में र्ज्जूलस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई, 1977 के

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रप्त: अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रतृ-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269 घ की उपवारा (1) के बघोन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत:— 1. श्री पि० वेंकटारतनम, जिन्नीरू।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वि० रामकृष्ण,पालकोल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्तंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पालकोज रजिस्ट्री अधिकारी से पिक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1904/77 में निगमित अनुसूची सपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 21-3-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घं (1) के घर्षीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 638—यतः, मुझे एन० के० नागराजन, शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व० से मधिक है

मौरं जिसकी स० 58-11-113 है, जो संतपेटा उनगोलु में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबच प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उनगोलु में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है, और प्रग्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक इप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः प्रव उन्त प्रविनियम की ब्रारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की ब्रारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री ग्रगला राघवय्या, श्रोलेटिवारिपालेम

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री सि० एच० कोदंडरामरया, कामेपलली (ग्रन्तरिती)
- श्री वि० वि० एम० कालेज, लेबोरेटरीज, उनगोलु।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में संपित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पव्होकरण :--हसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनयम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थहोगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

उनगोलु रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1727/77 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 22 मार्च 1978

# प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० ग्र० ई० 1/2052-2/जुलाई, 77—ग्रतः मुझे एफ० जे० फर्नान्डीज,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के ग्रिधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3/3 ग्रीर 306 है तथा जो एम० श्रीर सी० भाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 28-7-1977 को

(1908 का 16) के अधान 28-7-1977 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (अम्तरेकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिश्वित्यम, के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: घब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

- 1. (1) श्री रमण लाल जी० सरोज,
  - (2) पश्चावती श्रार० सरोज,
  - (3) रमेश श्रार० सरोज,

- 2. (1) यासीन एस० इंजीनियर,
  - (2) एडलजी के० वाईवा,
  - (3) बानू डी० कोलावाला
  - (4) काली ई० वाई,
  - (5) पेशी डी० कोलावाला,
  - (6) परबीन डी० नटरवाला,
  - (7) शेरनाज सी० नटरवाला,
  - (8) फिरोज, एम० डी० नटरवाला,
  - (9) दारा सी० नटरवाला,
  - (10) एडलजी एम० बीलीमोरिया
  - (11) चम्पाबाई, जे० कोटेचा,
  - (12) फिरोज एम० इंजीनियर
  - (13) काटे एम० इंजीनियर,
  - (14) कैयसी बी० बीलीमोरिया
  - (15) बीनीफर बेजी बीलीमोरिया,
  - (16) जस्मीन बेजी बीलीमोरिया,
  - (17) तृष्ती लक्ष्मीदास कापड़िया,
  - (18) म्कित लक्ष्मीदास कपाडिया, श्रीर
  - (19) दिगन्त लक्ष्मीदास कपाडिया,

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 735/71/बम्बई, उप रजिस्ट्रार, श्रधिकारी द्वारा दिनांक 28-7-77 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 10 मार्च 1978

मोहर:

(ग्रन्तरक)

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

भ्रायकर भ्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० प्र० ६० /2085-5/77-78—प्रत: मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से ग्रधिक है,

स्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 72 भाग तथा है, जो लोग्रर परेल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में झौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-7-1977 की.

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है: →

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अस्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः प्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री सीताराम मिल्स, लिमिटेड,
- (ग्रन्तरक)
- 2. (1) टान्टीयर चारीटेबल ट्रस्ट,
- (2) गीरधरलाल शेवनारायण टांटिया, ट्रस्ट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त भ्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्थ होगा, जो उस ब्रष्टयाय में दिया गया है।

# अमुसुची

म्रनुसूची जैसा कि विलेख न० 84/76/बम्बई, उप रजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 29-7-77 को रजिस्टर्ड किया है।

> एफ० जे० फर्नान्डीज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 18 मार्च, 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रष्टीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० सी०ए४० डी० / 58 / 77-78:—-श्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

धौर जिसकी सं० एस० सी० थ्रो० नं० 204 सहित श्रधूरी बिल्डिंग जोकि 2 मंजिल तक बनी है थ्रौर जो सैक्टर 7 में तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (श्रौर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में है रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वाक्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269 ग के घनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात् :---  श्रीमती प्रोमिला, मंटीजा, पत्नी श्री राम सरन दास निवासी 212, सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (i) श्रीमती चानन कौर, पत्नी श्री सेवा सिंह,
  - (ii) श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह
  - (iii) श्री सेवासिंह, पुत्न श्री दलेल सिंह निवासी 557, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20क में परिभा-षित हैं, वही मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वो मंजिली बिल्डिंग नं० एस० सी०श्रो० 204, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ श्रौर जिसका रकबा 128.3 वर्ग गज है। (सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ के कार्यालय, में रिजस्ट्री कमांक 659 तिथि, 26-9-77 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जनं रेंज, रोहतक

तारीख: 7-3-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्गन रेंज, सोनीयत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० सी० एच० डी०/78/77-78—-म्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1537, सैक्टर 18-डीं, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है मौर अन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय न्नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उन्त मिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री रतन लाल नाग पुत्र श्री ग्रजुध्या प्रसाद नाग, निवासी मकान नं० 1537, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जीत कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह, निवासी 26/4, पंजाबी बाग, देहली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 1537, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ झौर जिसका रकवा 1000.3 वर्ग गज (1½ मंजिला बिल्डिंग) (सम्पत्ति जैसेकि रजिस्ट्रीकर्ता देहली के रजिस्ट्री क्रमांक नं. 5319, तिथि 19-7-1977 पर झंकित है)।

> रवीन्द्रं कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः 13-3-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रय, सहाय ह आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० जी०म्रार०जी०/1/77-78---यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार पठानिया, सह।यक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, रोहतक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति, नं० 91/16 जाकोब पुरा, रेलवे रोड है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1977

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धायकी बावत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिचिका स्पिक्तियों, शर्यात् :--- 1. (i) श्री ग्रर्जन देव दीवान,

(ii) श्री उमेश चन्द्र दीवान, पुत्र श्री दीवान शांती नरायण

(iii) श्रीमती सुभद्रा रानी पुत्री श्री दीवान शांती नरायण , निवासी माकन नं० 380, वेयर नं० नं० 16, नई बस्ती, गुड़गांव ।

(श्रन्तरक)

- 2 (i) श्री भगवान दास पुत्र श्री रोशन दास, निवासी डी० सी०/54, बस्सी रोड, नजदीक श्रजन नगर, गुड़गांव ।
  - (ii) श्री बोध राज पुत्र श्री तेज भान, निवासी डी० सी० /55, बस्सी रोड, नजदीक श्रर्जन नगर, गुड़गांव ।
  - (iii) श्री ग्रर्जन दास पुत श्री रेमल दास, मार्फत, रीतू केमिकल इन्डस्ट्रीज, रेलवे रोड, गुड़गांव ।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (धा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति नं० 91/16, क्षेत्रफल 128 वर्ग गज श्रौर जो जाकोब पुरा, पुरानी रेलवे रोड, गुड़गांव में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 1563 में दी है श्रौर जो के रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में 30-8-77 को लिखी गई

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 13-3-1978

प्रकृप श्राई० टी० एन० एस०----

आसमकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना,

पटना, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश सं० 111-266/अर्जन/77-78/2522—अप्रतः मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रुपये से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी संव वार्ड नंव VIIC, होव नव 2231 ग्र, खाता नंव 89 ग्रारव एसव पीव नंव 597, खसरा नंव 101, रांची है तथा जो रांची में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 6-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्तग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात ;—-

- 1. श्रीमती सुधीरा भगत पत्नी श्री फेरूमल धनण्यामदार्सि भगत, "श्ररलोस", गारी, थानाः फांके, जिला रांची। (श्रन्तरक)
- 2. डा० विजय शंकर राय, पुत्न श्री बबन, राय, निवासी बाराणसी, हाल मुकाम : स्टाफ श्राफिसर बैंक श्राफ इंडिया, रांची ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्र**न् सूची

रकबा, जमीन: 36.8 कट्ठा साथ नया बना हुन्ना मकान जो मोहल्ला गारी, रांची (बिहार) में श्थित है जिसका प्लाट नं० 593, खाता नं० 89, न्नार० एस० पी० 597, के० नं० 101, रांची का है, जिसका दस्तावेज सं० 5438, दिनांक 6-7-1977 में विणित हैं।

ज्योतिन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज,बिहार,पटना

तारीखाः 6-2-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

# आयकर म्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बिहार पटना पटना, दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० iii-269/ग्रर्जन/77-78--ग्रतः मुझे ज्योतिन्द्र-नाथ

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पमजात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ० से श्रधिक है और जिसकी सं० ले० नं० 14 वार्ड, नं० 7, साक्यी, जमशेदपुर नं० 98 है तथा जो साक्यी जमशेदपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उन्त श्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दाथिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राप या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राप कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री प्रब्दुल मानान वल्द स्व० प्रब्दुल शपकार
  - (2) करीम बीबी पत्निश्री ग्रब्दुल मनान, म० साक्ची, थाना, साक्ची, जमणेदपुर जिला सिंहभूमि (बिहार)

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री किशन सिंह,
  - (2) चमन सिंह,
  - (3) रूप लाल
  - (4) बशत लाल
  - (5) नरेन्द्र सिंह जो पुत्न हैं, श्री मिलषी राम जो मिलषीं राम मार्केट साक्ची, धाना साक्ची, जमशेदपुर, जिला सिंहभूमि (बिहार)। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

जमीन का रकबा:—एक दो तल्ला पक्का मकान जिसका नाप 60 फिट × 60 फिट जो साक्ची जमणेदपुर में है, जिसका ले०न० 14 वार्ड, नं० 7 थाना साक्ची, जमणेदपुर जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 5503 दिनांक 16-7-77 में पूर्ण है।

> ्रज्योतीन्द्र नाथर् सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज,बिहार,पटना

तारीख: 10-2-1977

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बिहार, पटना पटना, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेण सं ार्ध-266/ग्रर्जन/77-78—ग्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक श्रायकर आयुक्त श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ष्रौर जिसकी संव वार्ड नंव VIIC लेव नव 2231 ग्र, खाता नंव 89, ग्रारव एसव पीव नंव 597, खगरा नंव 101, तथा जो रांची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ए के अनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतः--  श्रीमती सुधीरा भगत, पत्नी श्री फेरमल धनश्यामवाल "ग्ररलोस" गारी, थाना कांके, जिला रांची।

(ग्रन्तरक)

 डा० विजय शंकर राय, पुत्र श्री बबन राय, निवासी वाराणसी, हाल मोकाम : स्टाफ थ्रौफिसर बैंक ग्राफ इंडिया, रांची ।

(अन्तरिती)

3. मिलिट्री स्टेट श्रीफिसर, रांची, जिनको 950 रु० मासिक भाड़े पर दिनांक 8-10-1977 से दिया गया ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

रकबा जमीन: 36.8 कट्ठा साथ नया बना हुन्ना मकान जो मोहल्ला गारी, रांची (बिहार) में स्थित है। जिसका प्लौट सं० 593, खाता नं० 89, भ्रॉर० एस० पी० नं० 597, के० नं० 101, रांची का है। जिसका दस्तावेज सं० 5438 दिनांक 6-7-1977 में व्यणित है

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी, स**क्षा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 15-2-1978

भोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रिबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ग्राय०ए०सीं० //ग्रर्जन-रेंज/51/77-78---यतः मुझे, ह० च० श्रीव।स्तव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

जिसकी सं मकान नं 24/0-1-2 है, तथा जो पांचपावली नागपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह् प्रतिशत से श्रविक है और श्रम्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिविनियम, के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी भ्रत या भ्रत्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रत-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री श्ररणचन्द्र दिनेश चन्द्र चत्रवर्ती, कांग्रेस नगर, भैरामजी, टाऊन, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) सरदार बिरेन्द्र सिंह, दर्शन सिंह तुली,
  - (2) सरदार महिन्द्रपाल सिंह दर्शन सिंह तुली
  - (3) सरदार परमजित सिंह दर्णन सिंह तुली सभी रहने वाले 607 डा० ग्रम्बेडकर मार्ग, नागपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **ब** सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रब्साय में दिया गया है ।

## अनसची

म्युनिसिपल मकान नं० 24/0+2, नझुल प्लाट नं० 630, सर्कल नं० 15/21, वार्ड नं० 54, पांचपावली, हाऊसिंग श्रकोमोडेशन स्कीम, नागपुर।

ह० ज० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नागप्र

तारीख: 3-12-77

प्ररूप प्राई० टी॰ एन॰ एस॰----

पायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269थ(1) के भिधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/ 55/77-78---यतः मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,

पायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है', की धारा 269-ख के भ्रप्तीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1230 का 516 स्क्वायर फीट है तथा जो जवाहर रोड, श्रमरावती में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमरावतीं में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से भिष्ठक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या प्रत्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या घन-कर श्रीधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-य की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवित् :--

 श्री शंकर सिंह, बलदेव सिंह चंदेल, मालटेकडी खेड, श्रमरावती।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वजरंग लाल बालमुकुंद श्रग्नवाल, आकोला, हाल मुक्काम जवाहर रोड, बजरंग क्राकरी मार्ट, श्रमरावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्थव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 1230 का भाग, नझुल प्लाट नं० 121 पर स्थित हैं, उसका 516 स्के० फीट का भाग णिट नं० 68, वार्ड नं० 18, ग्रमरावती ।

> ह० च० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नागपूर

तारीख: *7*-12-1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०———

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1,

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च, 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/क्यू० III/एस०ग्रार०-111/ जुलाई/700(14)/77-78—श्रतः मुझे ए० एल० सूद आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 62 है, तथा जो गफार मार्केट, करोल वाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उत्तत अधिनियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधनियम, या धन-कर ब्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— शि उजात्मर सिंह, सुपुत्र श्री एस० राम सिंह, द्वारा/दुकान नं० 74, गफार मार्किट, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जगन्नाथ सुपुत्र श्री घालू राम, निवासी, सी-124/बी, मोती नगर, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# म्रनु सूची

स्टाल नं० 62 जोकि गफार मार्किट, करौल बाग, नई दिल्ली में 9/3 वर्ग गज क्षेत्रफल पर बना हुन्ना है। यह स्टाल निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : स्टालनं० 61

उत्तर : स्टालनं० 11

दक्षिण : ब्रजार

ए० एल० सूद सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली

तारीख: 20-3-1978

मोहर

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च, 1978

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० पि० 14 है तथा जो सि० ग्राई० टि० स्कीम सं० VI एम० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, को तारीख 16-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है, भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी न्नाय की बाबत उक्त ग्रिविनयम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः म्रब, उक्त म्रधिनियम को धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः - (1) श्री लक्ष्मीं नारायन पोहार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार कनोइ (बनसल)

(अन्तरिती)

को यह मूबना बारो करके पूर्वोक्त सम्मित के प्रर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उन्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## भ्रनुसू ची

पि० 14, सि० प्राई० टि० स्कीम सं० VI एम०, कलकत्ता में स्थित ६ कट्ठा 4 छटांक जमीन, साथ चार मंजीला मकान ध्रौर समुदय चिजों का श्रविभाजित 1/3 ग्रंग ।

> पि० पि० सि०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 22-3-1978

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नोटिस

भारत वन सेवा परीक्षा, 1978

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 अप्रैल 1978

सं० एफ० 13/3/77-ई-I (बी)— भारत के राजपल दिनांक 8 अप्रैल, 1978 गृह मंत्रालय (कामिक और प्रणासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित निथमों के अनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, णिलांग, णिमला, श्रीनगर, तथा त्रिवेन्त्रम, में 25 जुलाई, 1978 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युंक्त, केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जायेगा (देखिये स्रनुबन्ध, पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की ग्रनुमानित संख्या 100 के है। इस संख्या में परि-वर्तन किया जा सकता है।

\*धनुसूचित जातियों धौर धनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए धारिक्षत रिक्तियां यदि कोई होंगी, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदव।र को निर्धारित ग्रावेदन-प्रपत्न पर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को ग्रावेदन करना चाहिये। निर्धारित श्रावेदन प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो राये भेजकर ग्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त विष्णु जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीग्रार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल ग्रार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिये। मनीग्रार्डर/पोस्टल ग्रार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। ये ग्रावेदन-प्रपत्न ग्रायोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी होलत में वापस नहीं की जायेगी।

नोट: — उम्मीदन। रों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1978 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1978 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं विया जायेगा। 4. भरा हुन्ना आवेदन-पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 23 मई, 1978 (5 जून, 1978 से पहले की तारीख से विदेशों में या श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 23 मई, 1978) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, ग्रायोग यदि चाहेतो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 23 मई, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्न के माथ श्रायोग को ए० 48.00 (श्रनुसूचित जातियों श्रीर अनुसूचित जन जातियों के मामले में ए० 12.00) का शुल्क भेजना होगा, जोकि सचिव, संघ'लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली की पालियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक श्राफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक श्राफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी विष्णुगए रेखांकित बैंक ड्राफट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा श्रायोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाये श्रौर श्रीवेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिये।

जिन आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी, उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

- 6. श्रायोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित शुल्क में छूट दे सकता है जब बहुइस बात से संतुष्ट हो कि श्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के बींच की श्रवंध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देण) से भारत श्राया हुग्रा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है ग्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत ग्राया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो ग्रक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के श्रन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत ग्राया है या उसके वाद भारत ग्राया है या श्रामे वाला है।
- 7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे ग्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 30/- (प्रनुस्चित जातियों ग्रीर ग्राप्तु जन जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापत कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपविद्यात व्यवस्था को छोड़कर श्रन्य किसी भी स्थिति में श्रायोग को भुगतान किए गए शुरुक की बापसी के किसी दावे परन तो विकार किया जाएगा और न ही शुरुक को किसी श्रन्य परीक्षा या चयन के लिये श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

8. ग्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिये उम्मीदवार के किसी प्रकार के ग्रनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जायेगा।

> भ्रार० एस० गोयल, उप सनिव संघ लोक सेवा आयोग

### श्रनुबन्ध ——— उम्मीदवारों को श्रनुदेश

1 उम्मीदवारों को आवेदन-पत्न भरने से पहले अपनी पात्रता समझ लेने के लिये नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिये। निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं की जा सकती है।

ग्रावेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिसे गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, श्रंतिम रूप से चुन लेना चाहिये। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी श्रनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

 उम्मीदवार को श्रावेदन-प्रपत्न तथा पावती कार्ड श्रपने हाथ से ही भरने चाहिये । श्रध्रा या गलत भरा हुआ श्रावेदन-पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी श्रौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के श्रन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, श्रपने श्रावेदन-पत्न आयोग को सीध भेजने चाहिए। श्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना श्रावेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो श्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचा हो तो उस श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को श्राखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या श्रस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें धाकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में श्रंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले श्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए । उनको चाहिए कि वे श्रपने श्रावेदन-पत्न को, उसके श्रंत में संलग्न प्रमाण-पत्न की दो प्रतियां निकाल कर, श्रायोग में सीधे भेज दें श्रौर प्रमाण-पत्न की उन प्रतियों को तत्काल श्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को इस श्रन्रोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्न की एक प्रति

विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी श्रौर किसी भी हलत में प्रमाण-पन्न को फार्मै में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

- उम्मीदवार को श्रपने श्रावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्न अवश्य भेजने चाहिए ।
  - (i) निर्धारित णुल्क के लिये रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर या बैंक ड्राफ्ट या ग्रुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की प्रमाणित/ग्रभिप्रमा-णित प्रति (देखिए नोटिस का पैरा 5 ग्रीर 6 ग्रीर नीचे पैरा 6)।
  - (ii) श्रायु के प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि ।
  - (iii) ग्रीक्षिक योग्यता के प्रमाण-गत्न की ग्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी० ) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
  - (v) जहां लागू हो वहां भ्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जन जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पह्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 4)।
  - (vi) जहां लागू हो वहां स्रायु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 5)।

नोट:---उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (ii),(iii),(v) श्रौर (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपितत भ्रधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्या-पित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर, 1978 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामीं ब्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए ग्रर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्यक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तृत करनी होगी। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों की व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय श्रपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मुल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी श्रीर उनका श्रागे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा ।

उपर्युक्त पैरा 3 की मंद (i) से (i<sup>v</sup>) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं थ्रौर मंद (<sup>v</sup>) थ्रौर (<sup>v</sup>i) के विवरण पैरा 4 थ्रौर 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित णुल्क के लिये रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर ।

> प्रत्येक पोस्टल भ्रार्डर म्रानिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा

(ख) उस पर ''सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय'' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

सभी पोस्टल श्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर श्रौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को यह श्रवण्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों श्रीर न ही सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

### (ख) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :--

वैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक श्राफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिये श्रीर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक श्राफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित् होना चाहिये।

किसी भ्रन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे । विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे ।

(ii) श्रायुका प्रमाण-पत्र — श्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्न या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्न या किसी भारतीय विश्व-िव्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा श्रथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न श्रथवा समकक्ष प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में श्राए मैद्रिकुलेणन/उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण-पत्न के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या ग्रायु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष ग्रौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्म्मीदवारों को मैदिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरिक्त उस संस्था के हैड मास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक श्रिभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैदिकुलेशन / उच्चतर माध्यमिक गरीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिविक श्रायु लिखी होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि स्रावेदन-पत्न में लिखी जन्म की तारीख मैंट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्न/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1.:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो, उसे उस प्रमाण-पत्न की केवल श्रायु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की ग्रिभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये।

नोट 2: - उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिये कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने थ्रौर थ्रायोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी थ्रगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमित सामान्यत: नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पतः—उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताश्रों में से कोई एक योग्यता उसके पास है, भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (श्रर्थात विश्वविद्यालय या किसी श्रन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिये जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्न न भेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण श्रवश्य बताना चाहिये श्रौर श्रपेक्षित योग्यता से संबद्ध श्रपने दावे के प्रमाण में कोई श्रन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिये। श्रायोग इस साक्ष्य की गुणवता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिये वाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदिशर द्वारा श्रपनी गंक्षिक योग्यतात्रों के समर्थन में डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने से सम्बद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्न की श्रिभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिये गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्न की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस श्राशय का एक प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ग्रवश्य भेजनी चाहिये कि उसने नियम 5 में निर्दिष्ट विषयों में श्रर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:——उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बँठ चुके हों, जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वे श्रायोग की उक्त परीक्षा के लिये शैक्षिक दृष्टि से पास्न हो जाते हैं किन्तु उन्हें इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, श्रायोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iv) फोटोग्राफ:— उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास-पोर्ट भ्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवश्य भेजनी चाहिये। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए भौर दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिये। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिये।

ध्यान दें:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii) श्रौर 3 (iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्नों में से कोई एक संलग्न न होगा श्रौर उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्न अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी श्रपील पर विचार नहीं किया जायगा। जो प्रमाण-पत्न आवेदन-पत्न के साथ न भेजे गए हों, उन्हें आवेदन-पत्न भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिये श्रौर वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्न स्वीकार करने की अन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्न रद्द किया जा सकता है।

4 यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उस मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्न जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नोचे दिये गये कार्म में प्रमाण-पत्न लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये। यदि उम्मीदवार के माता और पिता बोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

· ·
भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिये भावेदन करने
वाले ग्रनुसूचित जातियों ग्रौर प्रनुसूचित जन जातियों के
उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म :
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*
के/की* निवासी है
जाति/जन जाति* के/की* है जिसे निम्नलिखित के प्रधीन ग्रनुसूचित
जाति/ग्रनुसूचित जनजाति* के रूप में मान्यता दी गई है।
संविधान (श्रनुसूचित जातियां) श्रादेश, 1950 *।
संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) श्रादेश, 1950*।

संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रादेश, 1951\*।

संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951\*।

[अनुसूचित जातियां श्रौर अनुसूचित जन जातियां सूची (आणोधन), आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन, अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू श्रीर कण्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956\*।

संविधान (अंडमान ग्रौर निकोबार द्वीपसमूह) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1959\* ग्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश (संशोधन) श्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा श्रोर नागर हवेली) अनुसूचित जातियां श्रादेश, 1962\*।

संविधान (दावरा भ्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां स्र श्रादेश, 1962\*।

संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964\*।

संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेश, 1957\*।

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) श्रनुसूचित जातियां श्रादेण, 1968\*।

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातिया आदेण, 1968\*।

संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेण, 1970\*।

<ol> <li>श्री/श्रीमती / कुमारी*</li> </ol>
श्रीर/या *उनका परिवार श्राम तौर से गांव/कस्बा*
में जिला/मण्डल*में राज्य/
संध* राज्य क्षेत्रमें
रहते/रहती <b>* हैं</b> ।
हस्ताक्षर

\*\*पदनाम ......

(कार्यालय की मोहर)

स्थान..... तारीख ..... राज्य\*

### संघराज्य क्षत

\*जो मब्द लागून हों, उन्हें ऋपया काट दें।

नोट:--यहां "ग्रामतीर से रहते/रहती हैं" का प्रर्थ वही होगा जो "रिप्रेजटेशन ग्राफदि पीपुल ऐंक्त, 1950" की धारा 20 में है ।

- \*\*प्रतृष्क्षित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम श्रिधकारी।
- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/ग्रितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टो किमिश्नर/ऐडीशनल डिप्टो किमिश्नर/डिप्टो केलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाईवेंडरो मैजिस्ट्रेट/सिटो मैजिस्ट्रेट/ सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जी क्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रिसिस्टेंट किमश्नर।

(प्रथम श्रेणी की स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं )।

- (ii) चोफ़ प्रेसिडेंन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ़ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू श्रफ़सर, जिनका श्रोहदा तद्दसीलदार से कम न हो ।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल श्रफ़सर जहां उम्मीद-बार श्रौर/या उमका परिचार श्रामतौर से रहता हो ।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव, /डेबलपमन्ट श्रक्रसर, लक्षद्वीप ।
- 5. (i)—(क) नियम 4 (ख) (ii) अथवा 4 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नतिखित प्राधिकारियों से किसी एक के लिये प्रमाण-पन्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिय कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवजन करभारत आया है।
  - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों श्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता णिविरों के कैम्प कमान्डेट ।
  - (2) उस क्षेत्र का जिला मैं जिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।
  - (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी श्रतिरिक्त जिला मैं जिस्ट्रेट ।
  - (4) श्रपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिबीजन का सब डिबीजनल श्रफ़सर।
  - (5) उप शरणार्थी पुनर्वाम श्रायुक्त, पश्चिमी बंगाल/ निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।

- (iii) नियम 6 (ख) (iv) प्रथवा 6 (ख) (v) के प्रन्तर्गत प्रायु में छूट ग्रांर/या नोटिस के पैरा 6 के प्रनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च प्रायुक्त के कार्यालय से लिये गए इस ग्राणय के प्रमाणपत की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो शक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के ग्रन्तर्गत । नवस्बर, 1964 को या उसके बाद भारत ग्राया है या ग्राने वाला है।
- (iii) नियम 4 (ख) (vi) प्रथम। 4 (ख) (vii) के प्रन्तर्गत प्रायु सीमा में छूट भीर/यानोटिस के परा 6 के अनुसार गुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलत: भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-एल की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, अथवा जिस क्षेत्र का बहु निवासी है उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाणित-पत्न की धिभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तिक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है भौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।
- (iv) नियम 4 (ख) (viii) प्रथमा (ख) (ix) के प्रन्तांत ग्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुग्रा है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की एक ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवाम्नों में कार्य करते हुए विदेशी शत्नु देश के साथ संघर्ष में प्रथवा ग्रशातिग्रस्त क्षेत्र में फ़ौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुग्रा ग्रीर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुग्रा।

हस्ताक्षर	
पदनाम	———————————————————————————————————————
तारीख -	

\*जो शब्द लागू नहीं, उसे कृपमा काट दें।

(v) नियम 4 (ख) (x) या 4 (ख) () के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पद लिए गए प्रमाण-पन्न की श्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल

में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुया भौर उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुया ।

- (vi) नियम 4(ड) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैं जिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (VII) नियम 4 (ग) के अन्तर्गत श्रायु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणिस/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये जिसम यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार श्रान्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत विरुद्ध हुश्रा था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका श्राता हो, उसके प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा श्रधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के श्रन्तर्गत गिरफ्तारियमं या कैंद हुआ था श्रौर जिसमें वे तारीखें विनिद्दिष्ट हों, जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैंद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैंद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक सम्बन्धों या कार्यकलापों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उसके संबंध रखने के अनुसरण में थी।
- 6 जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i) (ii) श्रौर (iii) में से किसी भी वर्ग के श्रन्तगंत नोटिस के परा 6 के श्रनुससार शुल्क से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला ग्रधिकारी या सरकार के राजपितत श्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस ग्रागय का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक श्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7 जिस किसी व्यक्ति के लिये पावता प्रमाण-पत्न श्रावश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक

सुधार विभाग) धारा भ्रावश्यक पान्नता प्रमाण-पन्न जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा ।

8 उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पन्न भरते लमय कोई झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाए।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रलेख ग्रथवा उसकी प्रतिलिपि की विसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, भौर न कोई फेरबदल करें ग्रीर न ही फेरबदल किए गए/ झूठे प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या ग्रधिक प्रमाण-पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई श्रणुद्धि श्रथवा विसगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत विया जाए।

- 9 भ्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के वारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि भ्रादेदन-प्रस्त्र ही श्रमुक तारीख को भेजा गया था । श्रावेदन-प्रस्त्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान्न हो गया हो।
- 10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्नों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये।
- 11 इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदिवार को उसके म्रावेदन-पत के परिणाम की सूचना यथाणीं प्र दे वी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के ग्रारम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदिवार को ग्रपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा श्रायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे श्रायोग से तस्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदिवार ने ऐसा नहीं किया तो बहु अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से विचत हो जायेगा।
- 12 पिछली पांच परीक्षाश्रों की नियमावली, तथा प्रध्न-पत्नों से युक्त पुस्तिकाए, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइःस, दिल्ली-110054 के यहां बिकी के लिये मिलती ह और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल ग्राईर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोन्या बिर्डिंग 'सी' ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) बिकी केन्द्र उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 ग्रीर संघ लोक सेवा ग्रायोग कार्यालय नई दिल्ली-110011 तथा (iii)-गर्वर्नमेन्ट ग्राफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कसकत्ता 1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाए विभिन्न मुफस्लिस नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।
- 13 ग्रावेदन-पत्न से सबद्ध पत्न-व्यवहार:--श्रावेदन-पत्न से सबद्ध सभी पत्न श्रादि सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग, धौलपुर

हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यारा स्रनिवार्य रूप से दिया जाए:---

- (1) परीक्षाकानाम।
- (2) परीक्षाकामहीना श्रीर वर्ष।
- (3) रोल नम्बर श्रथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।
- (5) ग्रावेदन-पत्न में दिया गया पत्न-व्यवहार का पता।

ह्यान दें:---जिन पस्नों ब्रादि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव है जन पर ध्यान नहीं दिया जाए । 14 पते में परिवर्तन :-- उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके श्रावेदन पत्न में उत्लिखित पते पर भेजे गए पत्न श्रादि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उमर्युक्त, पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाणी घ्र दी जानी चाहिये। यधिप आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

\_\_\_\_\_

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th February 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 13-2-78, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service codre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 1-3-78 to 24-3-78 or until further orders, whichever is earlier.

No.  $\Lambda.32014/1/78$ -Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 20-1-78, the President is pleased to appoint Shri P. S. Sabharwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 19-2-78 to 23-3-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A,32014/1/78-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 20-1-78, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 19-2-78 to 10-3-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even numer dated 20-1-78, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 19-2-78 to 28-2-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 20-1-78, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 21-2-78 to 28-2-78 or until further orders, whichever is earlier.

### The 1st March 1978

No. A.32014/2/76-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 22nd March, 1977, the President is pleased to appoint, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri A. Gopalakrishnan, a Sclection Grade Officer of the C.S.S.S. (Grade A of the C.S.S.S.) cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission for a further period from 1-3-78 to 14-11-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJFE Under Secretary (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

## ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 8th March 1978

No. A-11/5/78.—Shri D. P. Basu, Preventive Officer, Grade I (O.G.) Collectorate of Customs, Calcutta is appointed to officiate as Inspector of Customs on deputation basis in Special Unit. Calcutta office of this Directorate with effect from 1-3-78 and until further orders.

S. D. MANCHANDA Director

### New Delhi, the 3rd March 1978

No. A-11/4/78.—Shri B. N. Ganguly, Assistant Enforcement Officer, Calcutta Zonal Office is appointed to officiate as Enforcement Officer with effect from 3-2-78 at Calcutta Zonal Office and until further orders.

J. N. ARORA Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th March 1978

No. A-19015/2/77-Ad.V.—Shri H. S. Kashyap, Section Officer, Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi relinquished charge of the Section Officer, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 20-2-1978. His services were placed back at the disposal of Ministry of Home Affairs from the forenoon of 20-2-78.

### The 20th March 1978

No. A-19021/1/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri M. Tumsanga, an I.P.S. Officer from West Bengal Cadre as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment) with effect from the forenoon of 7-3-1978 on deputation basis, until further orders.

JARNAII. SINGH Administrative Officer (E) C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 16th March 1978

No. O.II-1203/75-Estt.—Consequent on the expiry of the period of his re-employment, Major V. R. Menon handed over charge of the post of Dy. S.P. Directorate General, CRPF on the afternoon of 6th March, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 8th March 1978

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Shri K. A. Belliappa to officiate as Asstt. Commandant CISF Unit Madras Port Trust, Madras who assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 15th January 1977.

R. C. GOPAL Inspector General/CISF

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 15th March 1978

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri C. G. Jadhav, Research Officer (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, at New Delhi, as Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st March, 1978, for a period of seven months or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Jadhav relinquished charge of the post of Research Officer (Social Studies) held by him in this office on the same date.

No. 5/3/76/RG(Ad.I).—In continuation of this office Notification No. 5/3/76-RG(Ad.I) dated 14-10-1977, the President is pleased to extend the appointment of Dr. R. R. Tripathi, Research Officer (Map) in the office of the Registrar General, India and ex-officio Census Commission for India, at New Delhi, in the post of Map Officer in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of six months with effect from 20-1-1978 upto 19-7-1978, or until further orders, whichever period is shorter.

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 5/3/76-RG(Ad.I) dated 14-10-1977, the President is pleased to extend the appointment of Dr. B. K. Roy, Map Officer in the office of the Registrar General, India,

and ex-officio Census Commission for India, at New Delhi, in the post of Assistant General (Map) in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of six months with effect from 20-1-1978 upto 19-7-1978, or until further orders, whichever period is shorter.

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 5/3/76-RG(Ad.I) dated 14-10-1977, the President is pleased to extend the appointment of \$/\$Shri

S. D. Tyagi and Mahesh Ram Senior Geographers in the office of the Registrar General, India and ex-officio Census Commissioner for India, at New Delhi, in the posts of Research Officer (Map) in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of six months with effect from 20-1-1978 upto 19-7-1978, or until further orders, whichever period is shorter.

No. 11/10/76—Ad. I——The President is pleased to extend the ad-hoc appointments of the undermentioned officers as Deputy Director of Census (operations in the offices of the Directors of Census Operations as mentioned against each for a period of two months with effect from 1 March, 1978 to 30 April, 1978, or till the posts are filled up on a regular basis, whichever period is shorter:—

SI. No	Name ).	Name				Office of the Director of Census Operations	Head Quarter	Previous reference No.	
(1)	(2)					(3)	(4)	(5)	
1.	Shri A.S. Dange		.,			Sikkim	Gangtok	R. G.'s Notification No. 11/10/76 Ad.I dated 6-2-1978.	
2.	Shri M. Thangaraju	• •		• •	, ,	Tamil Nadu & Pondicherry.	Madras	Do.	
3,	Shri S. Rajendran					Goa, Daman & Diu	Pa <u>n</u> aji	Do.	
4.	Shri Jagdish Singh					Delhi	Delhi	Do.	
5.	Shri S.S.S. Jaiswal	. ,				Uttar Pradesh	Lucknow	Do.	
6.	Shri S.K. Agarwal					Himachal Pradesh	Simla	Do.	
7.	Shri P.C. Sharma	• 1				Punjab	Chandigarh	R.G.' Notification No. 11/10//76 Ad.I dated 9-3-1977.	

### The 18th March 1978

No. 6/4/74 RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri Madan Singh, a Grade IV officer of the Indian Economic Service and on the approved list for promotion to Grade III of that service, presently working as Research Officer in the Office of the Registrar General, India and exofficio Census Commissioner of India, New Delhi, as Senior Research Officer in this office, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 17 March 1978, until further orders.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary to the
Govt. of India.

### MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th April 1978

No. 23/3/78-CPI—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by five points to reach 320 (three hundred and twenty) during the month of February, 1978. Converted to base 1949=100 the Index for the month of February, 1978 works out to 389 (three hundred and eighty nine).

TRIBHUAN SINGH, Deputy Director

### MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS: DEWAS (MP)

Dewas, the 15th March 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to the Notification No. BNP/C/23/77 dated 27-12-77 the ad-hoc appointment of Shri M. L. Narayana as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months, with effect from the forenoon of 7-3-1978 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM. General Manager

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

Hyderabad, the 15th March 1978

No. E.B.I./8-312/77-78/447.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri G. Thirumalai Swamy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 14-2-1978 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Senior Deputy Accountant General (Admn)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL: U.P.I. ALLAHABAD

Allahabad, the 9th March 1978

No. Admn.I/11-144(XIII)/III/383.—The Accountant General, U.P.I., Allahabad has appointed the following Section Officer to officiate as Accounts Officer in this Office until further orders with effect from the date noted against each.

- 1. V. S. Chauhan, 2-3-78 (F.N.)
- 2. Kashi Prasad Singh, 28-2-78 (F.N.)
- Kailash Narain, 28-2-78 (F.N.)
   Govind Ram Arora, 2-3-78 (A.N.)

U. RAMACHANDRA RAO, Sr. Dy. Accountant General(A)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I WEST BENGAL

Calcutta-I, the 18th March 1978

No. Admn.I/1038-XV/4485.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint Sri Pradip Kumar Dasgupta I permanent Section officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from

the forenoon of 14-3-1978 or from the date he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

Sri Dasgupta on being released from his deputation assignment with R. R. & R. Directorate, Govt. of West Bengal may report to the Sr. Dy. Accountant General (TAD) of this office for taking over charge as accounts officer against the vacancy of Shri P. Banerjee, proceeding on leave.

P. K. BANDYOPADHYAY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.), West Bengal.

### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 14th March 1978

No. 12/27/61-Admn, (G).—On reversion from deputation with the Delhi State Small Industries Development Corporation, New Delhi, Dr. S. B. Srivastava, assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. 1-2-1978 (F.N.).

No. 12(101)/61-Admn.(G).—On completion of his officiating appointment Shri Swarajya Prakash relinquished charge of the post of Director (Gr. 1) (General Administration Division) w.e.f. the forenoon of 11-1-78 in the Office of the Development Commissioner Small Scale Industries and assumed charge of the post of Director (Gr. II) (IES) in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. the forenoon of 11-1-1978.

V. VENKATRAYULU, Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 16th March 1978

No. A-1/1(1053).—Shri P. K. Basu, Superintendent (Supervisory Level I) and officiating Assistant Director (Admn) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

This is in supersession of DGS&D notification No. A-1/1(1053) dated 17-2-78,

### The 18th March 1978

No. A-1/1(911).—Shri H. S. Mathur, Assistor Director (Litigation) (Grade I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, reverted to the post of Section Officer in the same Directorate General at New Delhi with effect from the afternoon of 31st January, 1978.

### The 20th March 1978

No. A-1/1(1067).—On the recommendations of the U.P.S.C., the Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers to the post of Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 1st March, 1978 and until further orders:—

- 1. Shri B. A. Prabhakaran,
- 2. Shri Dipak Ghoshal.

No. A-1/1(1120).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. C. Bhattachariee, Sundt in the effice of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Asstt. Director (Admn) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 1st March, 1978 and until further orders.

#### The 21st March 1978

No. A-1/1(350)/V.—The President is pleased to allow Shri M. M. Mistry, Director of Supplies and Disposals, Madras (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') to retire from service voluntarily with effect from the afternoon of 27th February, 1978 in terms of Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel & A.Rs) Office Memorandum No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-1977.

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals.

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 13th March 1978

No. 3/35/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri L. C. Parwani, Accountant, All India Radio, Lucknow to officiate as junior Administrative Officer in the pay scale of Rs. 650-960 with effect from 24-2-78 (F.N.) and until further orders.

### The 15th March 1978

No. 3(14)/64-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Sardari Lal, Accountant, High Power Transmitter, All India Radio, Kingsway to officiate as Junior Administrative Officer at All India Radio, Jalpur in the pay scale of Rs. 650—960 with effect from 28-2-78 (F.N.) and until further orders.

S. V. SESHADRI, Deputy Director of Administration, for Director General

### New Delhi, the 14th February 1978

No. 6/147/62-SI-Vol-III.—On the expiry of leave granted to him from 3-12-75 to 18-1-77 by the Station Director, Radio Kashmir, Srinagar, the Director General, All India Radio hereby accepts the resignation of Shri K. R. Malhotra from the post of Programme Executive, All India Radio, with effect from 19th January, 1977.

N. K. BHARDWAJ,
Deputy Director of Administration,
for Director General

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th March 1978

No. 9-57/75-CGHS.I.—On transfer from the Central Govt. Health Scheme, Bangalore Dr. M. L. Sharma, Ayurvedic Physician assumed charge of his post in the Central Government Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 18th Feb., 1978.

N. S. BHATIA, Dy. Director Admn. CGHS.

### New Delhi, the 17th March 1978

No. A.12025/1/77-DC.—The President is pleased to appoint Dr. J. Saha, Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (Toxicology) in the same laboratory with effect from the afternoon of 31st January, 1978, on an ad-hoc basis and until further orders.

Dr. J. Saha relinquished charge of the post of Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day.

The President is also pleased to appoint Dr. (Mrs.) Dipali Roy, Senior Scientific Officer (Toxicology), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Pharmacologist, in the same laboratory with effect from the afternoon of the 31st January, 1978 on an ad-hoc basis and until further orders.

Dr. (Mrs.) Dipali Roy relinquished charge of the post of Senior Scientific Officer (Toxicology), Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day,

#### The 18th March 1978

No. A.12025/16/76-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Director, Child Guidance Clinic at the R. A. K. College of Nursing, New Delhi, Shri Mahavir Singh relinquished charge of the post of Assistant Professor of Psychology at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, on the afternoon of 2nd February, 1978.

The President is pleased to appoint Shri Mahavir Singh to the post of Director, Child Guidance Clinic at the R. A. K. College of Nursing, New Delhi with effect from forenoon of 14th February, 1978, in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12025/46/76(BCG)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. Shanmugam to the post of Vetrinarian at the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, with effect from the forenoon of the 24th February, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 15th March 1978

No. A.39013/1/78-A.JII.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him, Shri V. S. Pawar, Assistant Marketing Officer in this Directorate has been relieved of his duties in this Directorate at Bangalore with effect from 4-2-78 (A.N.).

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNAL DIVISION

Bombay-85, the 15th November 1977

Ref. 5/1/77/Esstt. II/2764——The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:—

Sr. No.	Name & Designation	Period				
		From	To			
1. Shr	i K. Sankarankutty Assistant	19-7-77 31-8-77	26-8-77 7-10-77			
2. Shr	i N. Balakrishnan Assistant	29- <b>7-</b> 77	14-10-77			
3. Shr	i A.K. Katre Assistant	22-8-77	17-9-77			
4. Shr	i P.B. Karandikar Assistant	31-8-77	11-10-77			
5. Shr	i U.R. Menon Assistant	8-8-77	14-9-77			
6, Shr C	i K.P.R. Pillaí Selection Grade lerk	4-8-77	14-9-77			
7. Sh	ri L.B. Gawde Assistant	3-10-77	5-11-77			

### The 18th November 1977

Ref. 5/1/77/Esstt. II/4803—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned permanent Assistant Personnel Officers to officiate as Administrative Officers Grade II in this Research Centre for the period indicated against their names:—

1. Shri S.R. Dongre	 	15-11-76	31-1-77
2. Shri B.C. Pal	 	10-1-77	25-2-77
3. Shri V.P. Naik	 	10-1-77	19 <b>-</b> 2-77

This supersedes this Division notification of even number/872 dated 7-3-1977.

### The 2nd December 1977

Ref: 5/1/77/Estt, II/4929—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Administrative Officer II/Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:—

Sr.	Name & Designati	on			,			Appointed to officiate	Pc	riod
No	).			,				as	From	To
1.	Shri V.P. Naik Asstt. Personnel Officer			, .			•	Administrative Officer-II	16-8-1977	29-9-1977(AN)
2.	Shri P.T.P. Nair Assistant.							Asstt. Personnel Officer.	16-8-1977	2-10-1977
3.	Shri N. Balkrishnan Assistant.		٠.					Asstt. Personnel Officer.	24-10-1977	24-11-1977

No. 5/1/77-Estt.II/4933.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri A. N. Nair, a permanent Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as an Accounts Officer II in BARC (V.E.C. Project, Calcutta) from the afternoon of August 26, 1977, until further orders.

V. M. KHATU Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 16th March 1978

No. DPS/23/4/77-Est.—9446.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Chinkurli Srikantiah Shivaramu, a temporary Purchase Assistant of this

Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 29-11-77 to 31-12-77 vice Shri B. L. Thakur, Assistant Purchase Officer appointed as Purchase Officer.

### The 18th March 1978

No. DPS/23/4/77-Est./9568.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri S. N. Deshmukh, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 20-2-78 to 7-4-78 vice Shri M. Narayanan, Assistant Purchase Officer appointed as Purchase Officer.

No. DPS/23/2/77/Estt./9572,—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepess to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—LB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate for the periods as mentioned against each:—

SI.	Name and Place	e of du	ity	7	 		<u>-</u>	Period	Remarks.		
1.	Shri D.H. Chothia Central Stores Umt, Trombay.		••	••	• •		••	1-2-78 to 3-3-78	Vice Shri Awtar Singh Punj, ASO, granted leave.		
2.	Shri G.C. Gupta, NAPP Stores, Narora.		• •	. •	• •	•••		1-3-78 to 31-3-78	Vice Shri B.D. Kandpal, ASO, granted leave.		

B.G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 19th March 1978

No. AMD-1/30/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. Narasimha Rao as Scientific Officer/Engr. Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of 10 March, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN Sr. Administrative & Accounts Officer

### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 6th March 1978

No. RRC/PF/3059/78-6593.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Kithanhalli Cheluviah Keshav Kumar as Scientific Officer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 24, 1978 until further orders.

R. H. SHANMUKHAM Administrative Officer for Project Director

### DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 8th March 1978

No. SAC/EST/TESC/14/78.—The Director is pleased to appoint Shri K. N. Murli as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from November 14, 1977 until further orders.

S. G. NAIR Head, Personnel & Gen. Admn.

### OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th March 1978

No. A,38012/1/77-EC.—Shri H. L. Sawhney, Assistant Communication Officer, Civil Aviation Training Centre, Allahabad, relinquished charge of his office on the 31-1-1978 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

#### New Delhi, the 17th March 1978

No. A24012/11/77-ES.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Chawla, Senior Aircraft Inspector to officiate as Controller of Aeronautical Inspection, Bombay on ad-hoc basis for the period from 4-7-1977 to 27-8-1977 vice Shri S. B. Deokule granted leave.

S. L. KHANDPUR Asstt. Director of Administration

### New Delhi, the 17th March 1978

No. A.39013/3/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation of Shri Hukam Chand, Asstt. Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Nagpur with effect from the 4th March 1978 (AN).

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 27th February 1978

No. 2/1978.—Shri B. B. Bhattachaiya, Confirmed Inspector (S.G.) posted in the Integrated Divisional Office, Varanasi and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vide Establishment Order No. 52/1977 dated 11-3-77 issued under endorsement C. No. II(3)93-ET/77/6838 dated 11-3-77 took over charge of the office of the Superintendent of Customs, Babatpur Airport, Varanasi in the Customs and Preventive Division, Gorakhpur on 1-7-1977 (F.N.).

A. L. NANDA Collector

### Madurai-27, the 17th March 1978

No. 1/78.—Shri M. Ponnambalam Office Superintendent of Headquarters Office Madurai is appointed to Officiate until further orders as Administrative Officer (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200 vice Shri L. Munirathinam, Administrative Officer reverted. Shri M. Ponnambalam assumed charge as Administrative Officer on 29-9-77 (A.N.) in Central Excise I.D.O. Madurai,

No. 2/78.—Shri K Mahalingam, Office Superintendent, Headquarters Office, Madras is appointed to officiate until further orders as Assistant Chief Accounts Officer Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—I'B—35—880—40—1200. He assumed charge as Assistant Chief Accounts Officer on 30-1-78 A.N. in Headquarters Office Madural.

No. 3/78—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent Group 'B' in the scale of Rs. 650 -30 -740 -35 -810 EB-35 -880 -40 -1000 EB-40 -1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each:--

SI. No.	Name of the Of	of the Officer		Officer		Place of Posting	Date of assumption of charge				
1	2	2							3	4	
	S/Shri										
1.	A. Natarajan	. ,		, .				.,	Ramanathapuram.	21-11-1977	
2.	N. Srinivasan		, .						Palani M.O.R.	9-1-1978	
3.	D. Subbiah							٠.	Kalugumalai M.O.R.	19-1-1978	
4.	S. Krishnan								Aruppukottai M.O.R.	16-1-1978	
5.	Arthur Barnabas								Elayirampannai M.O.R.	18-1-1978	
6.	S.N. Krishnaswam	y							Sivakasi 'D' M.O.R.	16-1-1978	
7.	B. Kannapa Chetti	ar			٠.				Srivilliputtur M.O.R.	16-1-1978	
	S. Subramaniam								Vilangudi M.O.R. @Madurai	16-1-1978	
9.	B. Rangiah								Gandhinagar M.O.R. @Kovilpatti	16-1-1978	
10.	B. Narasimhamurtl	ìу							Madurai	16-1-1978	
11.	K.S. Srinivasan							٠	Tirunagar M.O.R. @Madurai	16-1-1978	
12.	B. Abdul Gafoor								Madurai Collectorate HQ. Office	16-1-1978	
13.	S. Periasamy	. ,							Madurai Mofusil M.O.R. @Madurai	16-1-1978	
14.	P. Rathinam								Trichy	16-1-1978	
15.	S. Rajagopalan ,						, .		Pudugramam M.O.R. @Kovilpatti	16-1-1978	
	A. Lakshminarayar	ia R	eddy		٠.				Thiruvarambur M.O.R.	16-1-1978	
17.	S.R. Krishnan								Sivakasi 'E' M.O.R.	16-1-1978	
18.	K. Sundararajan								Thiruthangal A M.O.R. @Sivakasi	16-1-1978	
19.	M. Subramaniam								Thiruthangal B. M.O.R. @Sivakasi	16-1-1978	
20.	A. Raghavan II								Dindigul I.D.O.	20-2-1978	
27,	T. Doraikannan								Venkatachalapuram M.O.R. at Sattur.	17-2-1978	
22.	A 151 1			.,					Kalayamputhur M.O.R. at Palani	22-2-1978	
	D Combons			•••			• •		Rameswaram	6-3-1978	

M. S. SUBRAMANYAM, Collector

### DIRECTORATE OF O & M SERVICES CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th March 1978

No. 8/78.—Shri S. D. Chandwani, lately posted as Superintendent of Central Excise Group 'B' in Nagpur Collectorate, on his appointment as Junior Analyst in the Directorate of O & M Services, Customs & Central Excise, New Delhi on deputation, assumed charge of the post on 3-2-1978 (Forenoon).

Sd./- ILLEGIBLE Director
O. & M Services.

### GODAVARI WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-49, the 24th February 1978

No. 13(87)/75-GWDT.—In exercise of the powers conferred by Section 4(3) of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956), the Godavari Water Disputes Tribunal hereby appoints Shri B. R. Palta as a whole-time Assessor with effect from the forenoon of the 22nd February, 1978, until further orders.

> By order of the Tribunal R. P. MARWAHA Secy.

### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS New Delhi, the 15th March 1978

No. 33/3/75-FCIX.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Garg, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in scale of Rs. 700-40-900-EB-

40-1100-50-1300 plus usual allowances with effect from 6-3-78 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Garg is placed on probation for period of two years with effect from 6-3-78 FN.

D. P. OHRI Dy. Director of Administration

### NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 14th March 1978

No. 25.—The Following Officers of Stores Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each :-

- Shri J. P. Saxena, ACOS/Vyasnagar—31-7-77.
   Shri Kanhaya Lal Misra, ACOS/Bikaner—30-9-77.
   Shri S. S. Bedi, ACOS/HQ/Office—31-1-78.
   Shri R. P. Bhasin, ACOS/HQ, Office.—28-2-78.

G. H. KESWANI General Manager

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Navdeep Chit Fund and Finance Company Pvt. Ltd. (In Liqn.)

### Jullandar, the 14th March 1978

No. Liq/2207/560.—Whereas Navdcep Chit Fund and Finance Company Pvt. Limited, (In Liqn.) having its registered office at Hall Bazar, Amritsar, is being wound up;

And where the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that The Statements of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is heregy given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Navdeep Chit Fund and Finance Co. Pvt. Limited will, unless cause is shown to the contrary, be stuck off the register and the company will be dissolved.

S. P. TAYAL

Registrar of Companies

Punjab, H.P. & Chandigarh

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, DELHI & HARYANA

New Delhi-110001, the 9th March 1978

No. Liqn./3378/4704.—Whereas Supreme Chit Fund & Trade Pvt. Ltd. (In Liqn.-, having its registered office at 3457, Krishna Niketan, Delhi Gate, Delhi is being wound up;

And where the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and the statements of accounts u/s 551 required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months:

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is heregy given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Supreme Chit Fund & Trade Pvt. Limited (In Liqn.) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

R. K. ARORA

Asstt. Registrar of Companies

Delhi & Haryana

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, BIHAR

Patna, the 14th March 1978

In the matter of the Companies Act, 1956, and of East India Satsang Stores Private Limited

No. (133)-3/560/77-78/8692.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the East India Satsang Stores Private Limited, unless cause is shown to the company, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. BANERJEE Registrar of Companies

Bihar

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, GUJA-RAT

Ahmedabad-380009, the 14th March 1978

NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Navjivan Trading Finance Private Limited

No. 1558/Liquidation.—By an order dated 17-8-1977 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company petition No.

59 of 1975, it has been ordered to wind up M/s. Naviivan Trading Finance Pvt., Ltd.

J. G. GATHA

Registrar of Companies

Gujarat

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, ORISSA

Cuttack, the 15th March 1978

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M.s. Orlssa Publications Private Limited

No. S.O. 504/6944(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Utkal Chalachitra Pratithan Irlyate cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Utkal Chalachitra Pratisthan Private Limited

No. S.O./351/6945(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Utkal Chalachitra Prathisthan Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL

Registrar of Companies

Orissa

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, MADHAYA PRADESH

Gwalior-474001, the 17th March 1978

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Madhya Pradesh Paper Mills Limited

No. 898/P.S./1711.—Notice is hereby given pursuant to sub Section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Madhya Pradesh Paper Mills Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. R. BOHRA Registrar of Companies Madhya Pradesh

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, WEST BENGAL

Calcutta, the 18th March 1978

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Parakh Kothi (East) Limited

No. 29793/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection 3 of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Parakh Kothi (East) Limted unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Parakh Kothi (West) Limited

No. 29794/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection 3 of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Parakh Kothi (West) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Parakh Kothi (North) Limited

No. 29795/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection 3 of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Parakh Kothi (North) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies West Bengal

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P. 141/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having

a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Roshanshah Wala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Zira on Aug, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sant Ram s/o Sh. Haii Singh s/o Sh. Fatta, R/o Vill. Behak Pachharian, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Sh. Didar Singh s/o Sh. Wasakha Singh s/o Sh. Jawala Singh (1/2 share) & Sh. Karnail Singh, Sh. Gurmej Singh ss/o Sh. Mehanga Singh s/o Sh. Massa Singh, R/o Vill, Chohala, Tch. Zira (1/2 share).

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 98 Kanals and 8 marlas situated in village Roshan Shah Wala as mentioned in sale deed No. 3155 of Aug., 1977 registered with the S. R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978,

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P.142/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Jandiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on Aug., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12-16GI/78

 Sh. Harbans Singh s/o Sh. Lachhman Singh, V.P.O. Jandiala, Tch. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Sh. Jagtar Singh s/o Sh. Kehar Singh, V. & P. O. Dadhwar Kalan, Teh. Phillaur.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 39 Kanals and 11 Marlas situated in village Jandiala as mentioned in registration deed No. 2228 of Aug., 1977 registered with the S. R. Nawan Shahar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-**SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P.143/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Jandiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Malkiet Singh s/o Sh. Natha Singh, V.P.Q.-Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh s/o Sh. Hukam Singh, V.P.O. Kalaran, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 40 Kanals in Village Jandiala as mentioned in sale deed No. 2811 of Sept., 1977 registered with the Sub-Registrar, Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P.14/BTI/77-78.—Whereas, 1, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Rewara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Wazir Singh s/o Sh. Jbanda Singh s/o Sh. Maghi Singh, R/o village Nathu Wala Jagdeed, Teh. Moga, partner village Rewara, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) S/Sh. Chamkaur Singh, Balbur Singh, Inderjit Singh, Jagjit Singh ss/o Sh. Naazar Singh s/o Sh. Arjan Singh, R/o village Nathu Wala Jadeed, Teh. Moga now resident of village Rewara, Teh. Zira.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 70 Kanals and 12 marlas situated in village Rewara as mentioned in sale deed No. 3486 of Aug., 1977 registered with the S. R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P.145/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Rewarn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gurdas Singh s/o Sh. Hari Singh s/o Sh. Phinn-Singh, R/o village Nathu Wala now village Rewara, Teb. Zira.

(Transferor)

(2) S/Sh. Chamkaur Singh, Balbir Singh, Inderjit Singh, Jagjit Singh ss/o Sh. Naazar Singh s/o Sh. Arjan Singh, R/o village Nathu Wala Jadeed, Teh. Moga now village Rewara, Teh. Zira.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 Kanals and 15 marlas in village Rewara as mentioned in registration deed No. 3485 of Aug., 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P.146/BT1/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Rahon

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Kashmir Singh, Sh. Harkishan Singh ss/o Sh. Charan Singh, Village Jaffarpur, Teh. Nawan Shehar. (Transferor)
- (2) Sh. Darshan Ram s/o Sh. Dewan Chand, village Group-9, Garh Shankar.

(Transferce)

- \*(3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals in village Rahon as mentioned in sale deed No. 2268 of Aug., 1977 registered with the Sub-Registrar, Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th March 1978

Ref. No. A.P.147/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on Aug., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whiche ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Vir Singh s/o Sh. Jagir Singh s/o Sh. Jagat Singh, village Rahon, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Sh. Balkar Singh s/o Sh. Bur Singh, R/o village Kot Ranjha, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanals in village Rahon as mentioned in sale deed No. 2295 of Aug., 1977 registered with the S. R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 10-3-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE. **BHATINDA**

Bhatinda, the 18th March 1978

Ref. No. A.P. 148/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Village Dhudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Smt. Gurdial Kaur wd/o Shri Hardit Singh, S/o Shri Ram Singh, Village Dhudi, Tch. Faridkot,

(Transferor)

(2) Shri Major Singh s/o Shri Ujjagar Singh, S/o Shri Gurdit Singh, Village Dhudi, Teh. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanals and 11 marlas situated in village Dhudi as mentioned in sale deed No. 1963 of August, 1977 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,, Bhatinda.

Date: 18-3-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE.
BHATINDA

Bhatinda, the 18th March 1978

Ref. No. AP149/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Village Dhudi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridot on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Gurdial Kaur wd/o Shri Hardit Singh, S/o Shri Ram Singh, R/o Village Dhudi, Teh. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh s/o Shri Ujjagar Singh, S/o Shri Gurdit Singh, Village Dhudi, Teh. Faridkot.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person in occupation of the property) be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanals and 11 marlas in village Dhudi as mentioned in sale deed No. 1979 of August, 1977 registered with the S.R. Faridkot

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,, Bhatinda.

Date: 21-3-1978

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th March 1978

Ref. No. AP150/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Village Dhudi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth- tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13-16GI/78

 Smt. Gurdial Kaur wd/o Shri Hardit Singh, S/o Shri Ram Singh, Village Dhudi, Teh. Faridkot, R/o Village Dhudi, Teh. Faridkot.

(Transferor)

 Shri Thana Singh s/o Shri Ujjagar Singh S/o Shri Gurdit Singh, R/o Village Dhudi, Tch. Faridkot.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned nows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 Kanals and 11 marlas situated in villaged Dhudi as mentioned in sale deed No. 1980 of August 1977 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-3-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 21st March 1978

Ref. No. 151/BTI/77-78.—Whereas, J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sat Pal self and Mukhtiar-i-am, Shri Bhup Singh etc., R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash alias Sungeeta Rani
D/o Shri Chuni Lal
(2) Smt. Kamlesh Rani d/o Shri Ram Kishan,
R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned nows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of shop, M.C. No. 4626 situated at Bhatinda as mentioned in sale deed No. 2605 of July, 1977 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 21-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 21st March 1978

Ref. No. AP/152/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing AS PER SCHEDULE

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sat Pal self and Mukhtiar-i-am. Shri Bhup Singh etc., R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash alias Sangeeta Rani D/o Shri Chuni Lal (2) Smt. Kamlesh Rani d/o Shri Ram Kishan, R/o Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned nows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of shop, M.C. No. 4626 situated at Bhatinda as mentioned in sale deed No. 2916 of August, 1977 registered with the S.R. Bhatinda.

> P. N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 21-3-1978

Scal:

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th January 1978

Ref. No. A-146/Sil/77-78/B02-04.—Whereas, I EGBERT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Executive Officer, Silchar Municipal Board.

(Transferor)

(2) Sri Atul Krishna Saha S/o Late Gangacharan Saha, (2) Sri Gokul Chand Saha S/o Mandalal Saha, Kalibari Road, Silchar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 13 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 27-1-1978

Scal:

(1) Executive Officer, Silchar Municipal Board,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Niranjan Roy, and Sri Nibaran Roy S/o Sri Jamini Chand Roy, Rangikhari Silchar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th January 1978

Ref. No. A-147/Sil/77-78/1305-07.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6358 and 6351 situated at Pargana Barakar mouza Silchar (Cachar).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre dunder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Silchar on 20-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 6 siutated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 27-1-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 6th February 1978

Ref. No. A-154/Sil/77-78/1388-90.---Whereas, I EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Boards

(Transferor)

(2) Shri Hrishikesh syam and Shri Trilokesh ranjan syam S/o Late Kumud ranjan syam, Padmanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring. Katha of plot No. 30 situated Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 6-2-1978

Sen1:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 15th February 1978

Ref. No. A-155/Sil/77-78/1410-11.—Whereas, I EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

  (Transferor)
- (2) Shri Sukharanjan Chanda S/o Late Rajendra Kumar Chanda, Ambikapatti, Silehar, Assam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 2 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date: 15-2-1978

Scal:

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 17th February 1978

Ref. No. A-156/Sil/77-78/1429-32.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(2) 1. Sri Sailendra Ch. Paul. 2. Sri Sunil Ch. Paul.

 Sri Mohim Ch. Paul, Padmanagar, Silchar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 5 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 17-2-78

### FORM ITNS ----

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Suresh Ch. Paul S/o Sri Raimohan Paul, Pad-managar, Silchar and Sri Rakhesh Ch. Paul S/o Sri Raimohan Paul, Gopalgonj, Silchar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 17th February 1978

Ref. No. A-157/Sil/77-78/1422-24.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Silchar on 18-7-77,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 35 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 17-2-1978

Seal:

14-16GI/78

### FORM ITNS----

(1) The Executive Officer, Silehar Municipal Board.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Birendra Ch. Pal and Shri Ashit Ranjan Deb Hospital Road, Silchar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Shillong, the 20th February 1978

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rcf. No. A-158/Si1/77-78/1438-40.--Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 4 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 20-2-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE. SHILLONG

Shillong, the 23rd February 1978

Ref. No. A-159/Sil/77-78/1445-48,---Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351, situated at Pargana Barakpar Mouza, Silchar town (Cachar).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appartent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board. (Transferor)
- (2) 1. Sri Pravath Ch. Paul.

  - Sri Mohindra Ch. Paul.
     Sri Sunil Ch. Paul, Padmanagar, Silchar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 12 situated at Cattle market of Silchar town.

> EGBERT SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong

Date: 23-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 23rd February 1978

Ref. No. A-160/Sil/77-78/1453-56,—Whereas, 1, EGBERT SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomeor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) The Executive Officer, Silchar, Municipal Boald. (Transferor)
- (2) 1, Smt. Asha Rani Paul W/o Sri Nikhil Ch. Paul.
  - 2. Sri Birendra Ch. Paul S/o Late Bhaiat Ch. Paul.
  - Smt. Monomohini Paul W/o Sri Birendra Ch. Paul Padmanagar, Silchar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person luterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 1 situated at Cattle Market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 23-2-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th February 1978

Ref. No. A-152/Sil/77-78/1469-70.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Bærakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.
  (Transferor)
- (2) Shri Purna Ch. Paul s/o Late Gobindra Ch. Paul Silchar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 27 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date 24-2-1978

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS -

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bokul Ch. Roy S/o Upendra Lal Ray and Diresh Ch. Paul S/o l.ate Prahlad Ch. Paul Silchar (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 24th February 1978

Ref. No. A-153/Sil/77-78/1466-68.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Dag No. 6351 situated at Pargana Batakpar Mouza Silchar
Town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha plot No. 24 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 24-2-1978

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.
(Transferor)

(2) Shri Paresh Ch. Paul S/o Late Prahlad Ch. Paul Lakhipur Road, Silchar.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th February 1978

Ref. No. A-161/Sil/77-78/1464-65.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 19-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Orilcial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 23 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 24-2-1978

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1978

Ref. No. A-165/Sil/77-78/1491-94.—Whereas, I, EGBERT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 19-7-77.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

- Sri Subash Nandi S/o Late Sri Upendre Nandi
   Sri Sunil Kumar Dhar S/o Late Ramprashad Dhar.
  - 3. Sri Anil Kumar Dhar S/o Late Ramprashad Dhar, Padmanagar, Silchar.

(Transferces)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 15 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 27-2-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1978

Ref. No. A-164/SIL/77-78/1485-86.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Silchar on 18-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

15-16GI/78

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

(Transferor)

(2) Sri Harain Ch. Saha S/o Sri Surendralal Saha, Shib Colony, Silchar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 3 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 27-2-1978

FORM ITNS ---

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Nikhil Ch. Ray s/o Sri Negendralal Ray, Lakhipur Road, Silchar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 27th February 1978

Ref. No. A-163/SIL/77-78/1479-80.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 18-7-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 17 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 27-2-1978

#### FORM ITNS----

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board, (Transferor)

(2) Sri Ranjit Kumar Paul S/o Late Birendra Chandra Paul Padmanagar, Silchar.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1978

Ref. No. A-162/SIL/77-78/1499-500.—Whereas, I EGBERT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 19-7-77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 14 situated at Cattie market of Silchar town,

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 27-2-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 2nd February 1978

Ref. No. A-148/Sil/77-78/1349-51,---Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 20-7-77.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board, (Transferor)
- (2) Shri Abdul Rahim and Mufazzil Ali, Lakhipur Road, Silchar-1.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 9 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 2-2-1978

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Krishna Kumar Rai Rangpur Kalichora, Silchar. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 2nd February 1978

Ref. No. A-149/Sil/77-78/1347-48.—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silichar on 20-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha of plot No. 16 siutated at cattle market of Silchar town.

> EGBERT SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 2-2-1978

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Ajit Kumar Paul and Balaram Paul Padmanagar, Silchar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 2nd February 1978

Ref. No. A-150/Sil/77-78/1341/43.---Whereas, I. EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No. 6336 and 6331 situated at Pargana Barakpur Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 20-7-1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 33 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 2-2-1978.

(1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board.
(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Banesher Paul S/o Sri Bipin Ch. Paul.
 2. Khelarani Paul W/o Sri Bireswer Ch. Paul, Silchar.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 2nd February 1978

Ref. No. A-151/Sil/77-78/1344-46..—Whereas, I, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Dag No 6351 situated at Pargana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 19-7-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 32 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Shillong

Date: 2-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd March 1978

Ref. No. A-166/SIL/77-78/1507-09.—Whereas, I, EGBERT SIGNH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Dag No. 6351 situated at Pergana Barakpar Mouza Silchar town (Cachar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on July 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Executive Officer, Silchar Municipal Board (Transferor)
- (2) Shri Abdul Majid S/o Mufuzzil Ali and Abdul Matin Silchar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 11 situated at Cattle market of Silchar town.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 2-3-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Jayant Kumar Bhura S/o Sri Dwip Chand Bhura, Karimganje Bazar, Cachar, Assam. (Transferor)

(2) M/S Assam Ginning Industries (P) Ltd., Karimganje Assam. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 2nd Mnrch 1978

Ref. No. A-167/KAM/77-78/1512-13.--Whereas, 1, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Mahal Niskar & Taluk 14728/39 Md. Golam Ali situated at Station Road, Karimganje, Cachar (Assam),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganje on 27-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

16-16GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three buildings, One R.C.C., double storied and two Assam types, situated at station road Karimganje in the district of Cachar (Assam) under Pargana Kusherkul mouza model Pt. II,

> EGBERT SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong.

Date: 2-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd March 1978

Rcf. No. A-168/KAM/77-78/1516-17.—Whereas, I. EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- bearing

No. Mahal Niskar & Taluk 14728/39 Md. Golam Ali situated at Station Road Karimganj, Cachar Assam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Karimganj on 27-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayant Kumar Bhura S/o Sri Dwip Chand Bhura, Karimganj, Assam.

(Transferor)

 M/s Assam Ginning Industries (P) Ltd. Karimganj, Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three assam type houses situated at station road Karimganj in the district of Cachar (Assam) under Pregana Kusheikul mouza model Pt. 11.

EGBERT SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 2-3-1978

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 2nd March 1978

Ref. No. A-169/KAM/77-78/1520-21.--Whereas, 1, EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Mahal Niskar & Taluk 14728/39 Md. Golam Ali situated at Station Road Karimganj, Cachar

(and more fully described in the Schedule annexed (hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 27-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jayant Kumar Bhura S/o Sri Dwip Chand Bhura, Karimganj Bazar, Karimganj, Assam.

(Transferor)

 M/s Assam Ginning Industries (P) Ltd. Karimganj, Assam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two Assam type of houses situated at station road, Karimganj in the district of Cachar (Assam) under Pargana Kusherkul, mouza model PT. II.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 2-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9h March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 619.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 42/1 situated at Kanapaka Village, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizianagaram on 28-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Potta Aparanjini, W/o Sri P. Visweswararao, Fertilizer Merchants, Rajam P.O. Srikakulam

(Transferor)

(2) The Vizianagaram Oil & Cake Co., Represented by Partner Sri Surajmal Jhanwar, Rega Road, Vizianagaram-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3542/77 registered before the Sub-registrar, Vizianagaram during the fortnight ended on 31-7-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 9-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 622.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-25-180 situated at Kothapeta, Guntur,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 14-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Mingu Lalitabai, W/o Mallikharjunarao, Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Shrimati Ravipati Nagamma, W/o Late Ramaiah, C/o R. Balaramaiah, Vetapalem, Tenali Tg.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3524/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-3-1978

#### FORM ITNS ---

 Shrimati Mingu Lalitabai, W/o Mallikhariunarao, Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) Shrimati Kondabolu Venkata Subbamma, Basavapunnaiah, 6/13, Brodipet, Guntur-2.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 623.--Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-25-180 situated at Kothapeta, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntur on 7-7-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3440/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-3-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GIVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1978

Rcf. No. Acq. F. No. 624.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-8-1- situated at Koritapadu, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 15-7-1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Vengala Anasuyamma, W/o Balireddy, Koritapadu, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Manne Bullaiah, S/o Veeraiah, Door No. 4-8-1, Koritapadu, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3410/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-3-1978

I. Maddula Sithamahalaxmi,
 Smt. M. Sridevi,
 Smt. M. Vijayalaxmi,
 C/o Maddula Kasi Viswanadham, Bullion Merchant,
 Fluru,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 625.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair

market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24-A-3-7/140 situated at Ashoknagar, Eluru, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on 7-7-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the \*foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Balla Atchayamma, W/o Veeraswamy, Sri Hanumath Kali, Prasad Bhavan, Ashok Nagar, Eluru. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2347/77 registered before the Sub-registrar. Eluru during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-3-1978

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 626.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS No. 499 situated at Mogalrajapuram, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 26-7-77.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17 -16GI/77

(1) Shri Matamsetti Madhayarao, Stenographer Office of the Superintending Engineer, Valuation Cell, Incometax Department, 5-9-201/2B, Chirag Ali Lane, Hyderabad-500001.

(Transferor)

(2) Dr. Kota Raja Rao, S/o Tataiah, Narasimha Rao Naidu Street, Suryaraopeta, Vijayawada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2184/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1960

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 627.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-1-11 situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palakol on 22-7-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

- (1) Shri Kotikalapudi Narasimha Rao, 2 Kotikalapudi Purushottam Naidu, GPA holder K. Narasimharao, Main Road, 8th Ward, Sompeta, Srikakulam Dist. (Transferor)
- (2) Shri Karumuri Venkateswara Rao, S/o Venkataramana, 14th Ward, Palakol, West Godavari Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1838/77 registered before the Sub-registrar, Palakol during the fortnight ended on 31-7-1977.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-3-1978

#### FORM ITNS----

(1) I. Shri Kola Jalayya, S/o Sriramulu,

2. K. Prabhakararao adopted son of Shri K. Jalayya, Near Srirama Theatre, Ongole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 15th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 628.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS/1/A.S. No. 5794 & 5795 Ongole (Cinema Theatres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole in July 1977,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) 1. Gorantia Leelakumar Prasad,
  - 2, G. Ramanadha Babu,
  - 3. Gorantia Chandrasekhararao, and
  - G. Veeranarayanababu minor by guardian father
     G. Venkateswarlu, Partners of M/s Srinivasa
     Sridevi (A.C.) Deluxe Theatres, Ongole.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1465/77 registered before the Sub-Registrar, Ongole during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 15th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 629.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. TS No. 510/1 situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tenali on 22-7-77.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Kumari Matukumalli Krishnaveni, D/o Venkata Narasimha Subbarao, Nazarpet, Tenali-522201.

(Transferor)

(2) Shri Suggula Laxmi Satyanarayana, S/o Venkatappaiah, Gopalareddy Street, Tenali-522201.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2018/77 registered before the Sub-registrar, Tenali during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-3-1978

— (1) Ravipati Jagapatirao, S/o Narasimharao, R. Bala-ramanna, Dangeru, Kakinada Taluk.

(Transferor)

(2) Sagi Shantadevi alias Venkatanarasayamma, Pillanka, near Injaram, Kakinada Taluk.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 16th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 630.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Kakinada Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offire of the Registering Officer at Kakinada in July 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4111/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 16-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 632.-Whereas I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 92/B2, situated at Ammanabrolu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ammanabrolu in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the tansferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 1. Duggi Venkateswarlu,
  2. D. Ramachandrarao,
  3. D. Tyagaraju,

  - 4. D. Rammohanarao, Minors by guardian father
  - 5. D. Srinivasarao, 6. D. Jawaharlal Nehru, D. Venkateswarlu Ammanabrolu, Ongole Taluk, Prakasam Dist.

(Transferors)

(2) Edara Venkata Subbamma, W/o Venkataratnam, Ammanabrolu, Ongole Taluk, Prakasam Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1266/77 registered before the Sub-registrar, Ammanabrolu during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Date: 18-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Pabola Venkataratnam S/o Satyanarayanamurty, Jinnur, Karanpur Taluk.

(Transferor)

(2) Sh. Vabilisetty Ramakrishna, S/o Venkatanarasimha Murty, 9th Wrd, Palakol.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 21st March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 633.--Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RS No. 492, 494 & 496, situated at Palakol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on 1 July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1904/77 registered before the Sub-registrar, Palakol during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinnda

Date: 21-3-1978

#### FORM ITNS\_\_\_\_

 Shri Ala Ramanajah, S/o Raghavajah, Trovagunta Post, Voletivaripalem, Ongole Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Chaganti Kodanda Ramaiah, S/o Chandraiaha, Kamepalli Post. Kandukur taluk, Prakasam Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) V. V. M. College Laboratory, Ongole.

[Person in occupation of the property]

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 638.—Whereas I, N. K. NAGA-RAIAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 58-11-113, situated at Santhapeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ongole on 25-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1727/77 registered before the Sub-registrar, Ongole during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 22-3-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1978

Ref. No. ARI/2052-2/Jul 77.—Whereas I, F. J. FERNAN-DEZ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 313 & 306 of M & C Divn.

situated at Ridge Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-18-16GI/78

(1) Shri Ramanlal C. Saraiya, 2. Padmavati R. Saraiya, and 3. Ramesh R. Saraiya.

(Transferors)

(2) 1. Yasmin Soli Engineer

2. Edulji Kavasji Vaid

3. Banoo Dinshaw Colabawalla, 4. Kali Edulji Vaid, 5. Pesi Edulji Vaid, 6. Pervin Dhunjishaw Neterwalla

7. Shernaz Dhunjishaw Neterwalla 8. Forose Dhunjishaw Neterwalla

9. Dara Covasji Neterwalla 10. Edulji Nerwanji Billimoria

11. Champabai Jamnadas Kotecha

12. Feros Soli Engineer 13. Kate Soli Engineer

14 Kaiyese Beji Billimoria 15. Binaifer Beji Billimorja

16. Jasmine Beji Billimoria 17. Trupti Laxmidas Kapadia 18. Mukti Laxmidas Kapadia and

Digant Laxmidas Kapadia.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 735/71/Bom, and as registered on 28/7/1977 with the Sub-Registrar, Bombay

> F. J. FERNANDEZ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-3-1978

(1) Shree Sitaram Mills Ltd.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tantia Charitable Trust and Girdharilal Shewnarain Tantia Trust.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 18th March 1978

Ref. No. AR-I/2085-5/77-78.—Whereas, I, F. J. FERNAN-DEZ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 72 (pt) of Lower Parel Divn.

situated at Delisle Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 84/76/Bom and as registered on 29-7-77 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 18-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 7th March 1978

Ref. No. CHD/58/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Co. Site No. 204 alongwith incomplete building upto 2storey in Sector 7-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely ;---

(1) Smt. Promila Bhateia w/o Sh. Ram Saran Dass, R/o 212, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferors)

(2) (i) Smt. Chanan Kaur w/o Sh. Sewa (ii) Sh. Hardev Singh s/o Sh. Sewa Singh, (iii) Sh. Sewa Singh s/o Sh. Datel Singh, Residents of 557, Sector 8-B, Singh.

Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storey commercial property bearing SCO No. 204, Sector 7-C, Chandigarh. The area of the land is 128.3 sq.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Chandigarh at Sr. No. 659 dated 26-9-1977).

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1978

Ref. No. CHD/78/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1537, Sector 18-D

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Rattan Lal Nag s/o Shri Ajudhia Dass Nag, R/o H. No. 1537, Sector 18-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Jit Kaur w/o Sh. Jaswant Singh, R/o 26/4, Pun abi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing House No. 1537, Sector 18-D, Chandigarh measuring 1000.3 sq. yds. (13 storeyed building).

(Property as mentioned in the exchange deed registered at serial No. 5319 dated 14-7-1977 by the Registering Authority, Delhi).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-3-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th March 1978

Ref. No. GR G/1/77-78.—Whereas I. RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Property No. 91/16 Jacobpura, Old Railway Road,

situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

- (1) (i) Sh. Arjan Dev Dewan,
  - (ii) Sh. Umesh Chander Dewan, ss/o Sh. Dewan Shanti Narain.
  - (iii) Smt, Subhadra Rani D/o
     Sh. Dewan Shanti Narain,
     R/o H. No. 380, Ware No. 16,
     Nai Basti, Gurgaon.

(Transferors)

- (2) (1) Sh. Bhagwan Dass s/o Sh. Roshan Dass, R/o D.C/54, Bassi Road, Near Arjuit Nagar, Gurgaon
  - (ii) Sh. Bodh Raj, s/oSh. Tej Bhan, R/oD.C./55, Bassi Road,Near Arjun Nagar, Gurgaon.
  - (iii) Sh. Arjan Dass s/o Sh. Remal Dass, C/o Retu Chemical Industries, Railway Road, Gurgaon.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 91/16 having total area of 128 sq. yds. situated at Jacobpura at Old Railway Road, Gurgaon.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1563 dated 30-7-1977 registered in the office of the Registering Authority, Gurgaon."

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Sudhira Bhagat W/o Sri Pheròo Mall Ghanshyam Das Bhagat "Arlosh" Gari P.S. Kanke Distt. Ranchi.

(Transferor)

(2) Dr. Bijai Shankar Rai S/o Sri Baban Rai, of Varanasi, Presently posted as Staff Officer, Bank of India, Ranchi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA BIHAR

Patna, the 6th February 1978

Ref No. III-266/Acq/77-78/2522.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. viic, H. No. 2231 A. Khata No. 89, R.S. Plot No. 597, K. No. 101 of Ranchi

situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 6-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 36.8 Kathas\_with newly constructed House at Mahlla Gari, Ranchi, vide P. No. 593, K. No. 89 and R.S.P. No. 597 K. No. 101 of Ranchi vide deed No. 5438 dated 6-7-1977.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range. Bihar
Patna

Date: 6-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA BIHAR

Patna, the 10th February 1978

Rcf. No. III-267/Acq/77-78.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisiton Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 14, Ward No. 7 Sakchi, Jamshedpur situated at Sakchi Jamshedpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 16-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Abdul Manan S/o Late Abdul Gaffor.
  - Karimbibi W/o Abdul Manan at Sakchi,
     P. S. Sakchi,
     Jamshedpur, Dist. Singhbhum (Bihar).

(Transferors)

- (2) (1) Kishan Singh,
  - (2) Chaman Singh.
  - (3) Rup Lal,
  - (4) Basant Lal,
  - (5) Narendra Singh, all sons of Shri Milkhi Ram of Milkhi Ram Market, Sakchi, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum (Bihar).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One double storied pucca building measuring 60 ft. x 60 ft. at Sakchi, Jamshedpur bearing H. No. 14, Ward No. 7 P.S. Sakchi, Jamshedpur as described in deed No. 5503 dated 16-7-1977.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 13-3-78.

Smt. Sudhira Bhagat W/o Shri Phercomall Ghan-shyam Das Bhagat "ARLOSH" Gari, P.S. Kanke, District Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA BIHAR

Patna, the 15th February 1978

Ref. No. III-266/Acq/77-78.--Whereas I, J. NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. Ward-VIIIC H. No. 2231, A Khata No. 89, R.S. Plot

No. 597 K-No. 101 of Ranchi,

situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ranchi on 6-7-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) l'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:--

(2) Dr. Bijoy Shanker Ray S/o Shri Baban Rai of Banarasi, Presently Posted as Staff Officer, Bank of India, Ranchi,

(Transferee)

(3) Military Estate Officer, Ranchi, With whom an agreement has been reached to let out the property on a monthly rent of Rs. 950/- w.e.f. 8-10-1977.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reepective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 36.8 Kathas with newly constructed house at Mahalla Gari Ranchi, vide P. No. 593, K. No. 89 and R.S.P. No. 597 K. No. 101 of Ranchi vide deed No. 5438 dated 6-7-1977.

J. NATH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna.

Date: 15-2-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, NAGPUR

Nagpur, the 3rd December 1977

Ref. No. IAC/ACQ/51/77-78.—Whereas I, H. C. SHRI-VASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Municipal House No. 24/O+2, Nazul Plot No. 630, Circle No. 15/21 Ward No. 54, Pachpaoli Housing Accommodation Scheme, Nagpur,

situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arunchandra Dineshchandra Chakarbarty, Congress nagar Byramji town (Coal Mines) Nagpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sardar Birendrasingh Darshangingh Tuli,
  - 2. Shri Sardar Mahidrapalsingh Darshangingh Tuli,
  - Shri Sardar Paramiitsingh Darshansingh Tuli, all residence of 607, Dr. Ambedkar Marg, Nagour.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal House No. 24/O+2, Nazul Plot No. 630, Circle No. 15/21 Ward No. 54, Pachpaoli Housing Accommodation Scheme, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 3-12-1977

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, NAGPUR

Nagpur, the 7th December 1977

No. IAC/ACQ/55/77-78.—Whereas I, H. C. SHRI-VASTAVA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of House No. 1230 on Nazul plot No. 121, 516 Sq. ft. out of 1230 Sqr. ft. Sheet No. 68, Ward No. 18, Amravati situated at Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 4-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Shankarsingh Baldevsingh Chandel, Maltekdi Road, Amravati.

(Transferor)

(2) Shri Bajranglal Balmukund Agrawal, Akola, Presently residing at Jawahar Road, Bajrang Crockey Mart, Amravati.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. 1230 on Nazul Plot No. 121/516 Sqr. ft. out of 1230 Sqr. ft. Sheet No. 68, Ward No. 18, Amravati.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 7-12-1977

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ujaggar Singh s/o S. Ram Singh, c/o Shop No. 74, Gaffar Market, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath s/o Shri Dhalu Ram, r/o C-124/B, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 20th March 1978

Ref. No. IAC ACQ. III/SR. III/July/700(14)/77-78.—Whereas I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 62.

situated at Gaffar Market, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. III on 30-7-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Stall No. 62 situated in Gaffar Market, Karol Bagh, New Delhi, area 9/3 sq. yds. and bounded as under:—

South: Bazar North: Stall No. 11 East: Passage West: Stall No. 61.

A. L. SUD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 20-3-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd March 1978

Ref. No. AC-37/Acq. R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

P/14, situated at C. I. T. Scheme No. VI-M

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Luxmi Narayan Poddar.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Kanoi (Bansal).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in all that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chattaks together with four storied building thereon situated at P/14 C. I. T. Scheme No. VI-M Calcutta.

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 22-3-1978.

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

#### INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1978 F,13/3/77-EI(B)

New Delhi, the 8th April 1978

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELIII, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, SHILLONG, SIMIA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 25th July 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 8th April, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE IN-FORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100\*. This number is liable to alteration.

\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Moncy Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Oflice. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders, Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be rejunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1978. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1978 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 23rd May, 1978 (5th June, 1978) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 23rd May, 1978 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 23rd May, 1978.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Sceretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post

Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

- 6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from crstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOELA.

Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE

#### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the

Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

- 3. A candidate must send the following documents with his application—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 5 and 6 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
  - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm.  $\times$  7 cm. approx) photograph of the candidate.
  - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
  - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).

NOTE.—CANDIDATE ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1978. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Some times the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of Birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University Certificate.

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will *NOT* be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable

explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:

This is to certify that Shri			
village/town* son/daughter		in Distr	rict/Division*
which is recognised as a under:—	he		Caste/Tribe*
the Constitution (Scheduled	Castes) Ord	ier, 1950	H
the Constitution (Scheduled	Tribes) Or	der, 1950	PH .
the Constitution (Scheduler Order, 1951)*	1 Castes)	(Union	Territories)
the Constitution (Schedule Order, 1951*	d Tribes)	(Union	Territories)

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act. 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976.\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri/Shrimati/Kumari*	and/or*
his/her* family ordinarily reside(s) in of	District/Division* of
the State/Onion Territory of	
	Signature
$\phi * \Psi \Gamma$	Designation
	(with scal of Office)
Place	
D /	

State/Union Territory\*

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/ Extra Assistant Commissioner.
  - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 4 (b)(ii) or 4 (b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a hona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March. 1971:—
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
  - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
  - (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4(b)(iv) or 4(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri I.anka to show that the is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4(b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may

be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while to the Border Sccurity Force claiming age concession under Rule 4(b)(x) or 4(b)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Forces in operations during Indo-Pak hostilites of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No........Shri..........of Unit......was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.........
Designation......

Date.....

- (vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 4(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) A candidate claiming age concession under Rule 4 (c) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stated that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been attested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations
- 5. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii) and (iii) above, and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copics of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counters of the Publications Branch, Udyog Bhawan New Delhi-110001, and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road. Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - 1. NAME OF EXAMINATION.
  - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - 3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGES IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.